संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
गुरुवार
15 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 203
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

सोसाइटी फॉर एथ्नोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस एवं एथ्नोफार्माकोलॉजी में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

हरियाणा सरकार ने ईडब्ल्यूएस की आय सीमा बढ़ाई

6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए वार्षिक पारिवारिक आय सीमा को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। यह निर्णय केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।

मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से इस संबंध में पत्र जारी कर दिया गया है।

संशोधित आय सीमा राज्य में सिविल पदों और सेवाओं में प्रत्यक्ष भर्ती तथा सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण पर लागू होगी।

गौरतलब है कि इससे पहले 25 फरवरी, 2019 को जारी आदेशों के तहत ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए सालाना आय सीमा 6 लाख रुपये निर्धारित की गई थी। इस विषय की समीक्षा के बाद, अब सरकार ने आय सीमा को बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष करने का निर्णय लिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि आय सीमा में संशोधन के अलावा, पूर्व में जारी निर्देश यथावत रहेंगे।

भारत–ईयू एफटीए पर तेज हुई बातचीत, शिखर सम्मेलन से पहले प्रयास तेज

नई दिल्ली: यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की इस महीने के अंत में भारत यात्रा से पहले प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े शेष विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और यूरोपीय संघ (ईयू) के दल लगातार संपर्क में हैं। भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को यहां आयोजित किया जाएगा। यूरोपीय संघ का शीर्ष नेतृत्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के तौर पर भी उपस्थित रहेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में ब्रसेल्स में व्यापार तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ दो दिवसीय बैठक की थी जिसमें वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई। ये निरंतर संपर्क महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष बातचीत को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहते हैं। अधिकारी ने कहा, ''दोनों पक्ष शेष विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं।'' इन मुद्दों में यूरोपीय संघ का कार्बन कर और कुछ वस्तुओं पर शुल्क में कटौती शामिल है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने छह-सात जनवरी को ब्रसेल्स में यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड से भी मुलाकात की थी। प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए अभी तक 16 दौर की बातचीत हो चुकी है। भारत अपने श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा एवं चमड़ा के लिए शून्य शुल्क की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ मोटर वाहन, चिकित्सकीय उपकरण, शराब, स्पिरिट, मांस व मुर्गी पालन में महत्वपूर्ण शुल्क कटौती और एक मजबूत बौद्धिक संपदा व्यवस्था की मांग कर रहा है।

भारत और यूरोपीय संघ ने नौ साल से अधिक समय के अंतराल के बाद एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), निवेश संरक्षण समझौते एवं भौगोलिक संकेतकों पर एक समझौते के लिए जून 2022 में बातचीत फिर से शुरू की थी। बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में वार्ता रुक गई थी। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब अमेरिकी डॉलर का (जिसमें 75.85 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात शामिल था) था जिससे यूरोपीय संघ वस्तुओं का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया।

ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया : सेना प्रमुख

नयी दिल्ली– सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के संकल्प और संयम का 'निर्णायक प्रदर्शन' था, और इसने देश की सेना और युवाओं की नैतिक ताकत तथा पेशेवर योग्यता को दर्शाया। भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले साल अप्रैल में हुए भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया था। पहलगाम हमले में 26 बेगुनाह नागरिक मारे गए थे। सेना प्रमुख ने यहां नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेट को संबोधित करते हुए कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर भारत के संकल्प और संयम का निर्णायक प्रदर्शन था। इसने हमारे सशस्त्र बलों और हमारे युवाओं की नैतिक ताकत और पेशेवर योग्यता को दर्शाया।'' जनरल द्विवेदी ने एक दिन पहले ही पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है और दुश्मन की किसी भी दुस्साहस वाली करतूत का सख्ती से जवाब दिया जाएगा। भारतीय सेना ने मंगलवार को अपना सालाना संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया, जहां सेना प्रमुख ने कहा था कि इस निर्णायक अभियान ने रणनीतिक सोच को पुनः आकार देने में मदद की और भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने के लिए गहराई तक हमला किया, जिससे इस्लामाबाद की ''लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी'' की हवा निकल गई। सेना प्रमुख ने बुधवार के आयोजन में पिछले साल मई में हुई निर्णायक सैन्य कार्रवाई में एनसीसी के योगदान को याद किया।

थाईलैंड: चलती ट्रेन पर गिरी क्रेन, हादसे में 29 की मौत, 64 घायल

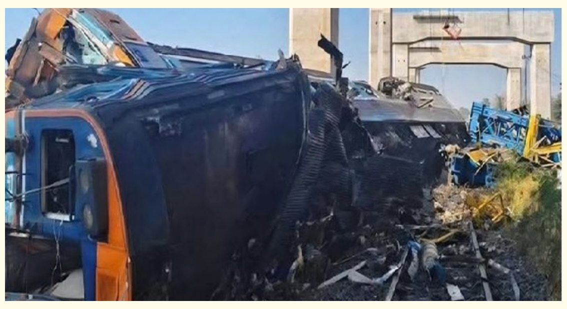

बैंकॉक– पूर्वोत्तर थाईलैंड में एक क्रेन के गिर कर चलती ट्रेन से टकराने के बाद हुए हादसे में 29 लोगों की मौत की खबर है। लगभग 64 लोग घायल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि मलबे में अभी और भी शव दबे हुए हैं, जिन्हें निकाला जाना बाकी है। जानकारी के अनुसार काम में लगी एक क्रेन अचानक नीच गिर गयी। उसी समय एक ट्रेन वहां से गुजर रही थी। क्रेन ट्रेन की एक बोगी पर जा गिरी जिससे ट्रेन पटरी से उतर गयी।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 169 गुम स्वरूप मिले, यह उपलब्धि नहीं, हमारा कर्तव्य था- भगवंत सिंह मान

स्वरूपों का प्रकाशन शिरोमणि कमेटी की जिम्मेदारी, अकाली दल के कारण शिरोमणि कमेटी अपने कर्तव्य में विफल रही- भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

श्री मुक्तसर साहिब(ब्यूरो)। माघी के पवित्र अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री मुक्तसर साहिब का दौरा किया, जहां उन्होंने गुरुद्वारा श्री टुट्टी गंढी साहिब में माथा टेका और बड़े जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 169 गुमशुदा स्वरूपों के मिलने पर पंजाब सरकार का रुख दोहराया। सिख इतिहास और बलिदान से जुड़े इस दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वरूपों की बरामदगी प्राप्ति के बजाय फर्ज का मामला है।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि पंजाब सरकार आगामी बजट में महिलाओं के लिए एक हजार रुपए प्रति माह सहायता योजना के लिए बजट में प्रावधान करेगी। उनकी सरकार ने पंजाब के लोगों से किए हर वादे को पूरा किया है। 'आप' नेताओं ने कहा कि माघी अवसर पर यहां हुआ समागम सरकार में लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

माघी अवसर पर एक विशाल राजनीतिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने अब तक पंजाब के लोगों से किए हर वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा, 'हमने लोगों से किए हर वादे का सम्मान किया है और अब हम राज्य की हर महिला को एक हजार रुपए देने की योजना शुरू करेंगे। आगामी बजट में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यह सरकार सभी की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पंजाब के लोगों से किया गया हर वादा हर हाल में पूरा किया जाएगा।'

इस पवित्र स्थान के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धरती भाई महां सिंह जी के नेतृत्व में सिख योद्धाओं के महान बलिदान की गवाह है और समूची सिख संगत उनकी शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। उन्होंने कहा, 'लोग यहां राज्य भर से एकत्र हुए हैं और इस समागम का हिस्सा बनकर खुद को सौभाग्यशाली मान रहे हैं। यह पवित्र धरती और यहां हुए बलिदान दुनिया भर के हर सिख के दिल में बसते हैं और अन्याय तथा अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करते हैं।'

विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारें कमजोर याददाश्त से पीड़ित हैं और चुनावों के बाद पंजाब को लूटने के लिए केवल अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''झाड़ू', जो 'आप' का प्रतीक है, ने राजनीतिक व्यवस्था को साफ कर दिया है और इसी कारण पारंपरिक पार्टियां हैरान हैं। ये नेता मुझ पर केवल इसलिए हमला कर रहे हैं क्योंकि मैं एक साधारण परिवार से हूं, जिसे वे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।'

लोकतंत्र में लोगों को सर्वोच्च मानते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जनता ने अवसरवादी नेताओं को सबक सिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने टिप्पणी की, 'इस रैली में भारी समागम लोगों के सरकार और इसकी नीतियों के प्रति प्रेम और स्नेह को दर्शाता है। अन्य पार्टियां भी रैलियां कर रही हैं, लेकिन सुखबीर बादल की रैली अब तक खत्म हो चुकी होगी क्योंकि शायद ही कोई वहां गया होगा।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल द्वारा किराए पर ली गई बसों में लाए गए लोग भी 'आप' रैली में शामिल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी दल राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए अंधेरे में तीर चला रहे हैं और सरकार के लोगों के पक्ष में तथा पंजाब के पक्ष में रुख से ईर्ष्या कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं किसी भी कीमत पर पंजाब और पंजाबियों के हितों की रक्षा के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।'

शासन की प्राथमिकताओं की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार की भूमिका बच्चों के सपनों को पंख देना होती है ताकि वे जीवन में सफलता की नई कहानियां लिख सकें। उन्होंने कहा, 'मेरे द्वारा हस्ताक्षर की गई हर फाइल का उद्देश्य आम आदमी और राज्य को लाभ पहुंचाना है। 63,000 से अधिक युवाओं को भ्रष्टाचार या सिफारिश के बिना पूरी तरह योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई हैं। हमारी सरकार द्वारा लिया गया हर फैसला पंजाब की प्रगति और लोगों की खुशहाली पर केंद्रित है।'

जनसेवाओं को मजबूत करने के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुलिस की दक्षता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक नए पुलिस कर्मचारी भर्ती किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों को पढ़ाई में सहायता के लिए कई जनसार्वजनिक लाइब्रेरियां खोली गई हैं, सभी क्षेत्रों को निर्बाध बिजली प्रदान की जा रही है और 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि टेलों पर स्थित गांवों को भी पहली बार नहरी पानी मिला है, जिसे विपक्षी नेताओं ने कभी प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा, 'जिन्हें यह नहीं पता कि 12 को 5 से गुणा करने पर क्या परिणाम आता है, वे सत्ता में आने के दिन गिन रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली के लोग अब एक गलत सरकार चुनकर पछता रहे हैं, जिसने आम आदमी पार्टी के शासनकाल में लिए गए लोगों के पक्ष में फैसलों को रोक दिया है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें अपनी दोषपूर्ण नीतियों के कारण 'ब्रेन ड्रेन' के लिए जिम्मेदार थीं, लेकिन जब से उनकी सरकार ने पद संभाला है, तब से 'रिवर्स माइग्रेशन' (वापसी) शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, 'पंजाब के समझदार, बहादुर और मेहनती लोग इन नेताओं के दोहरे चरित्र से अच्छी तरह परिचित हैं, जिन्हें वे पहले नकार चुके हैं। आज पंजाब हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है क्योंकि हमारी सरकार ने सर्वांगीण विकास के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल शामिल हैं।'

ईरान में बिगड़े हालात, भारत ने अपने नागरिकों को देश छोड़ने की दी सलाह

नई दिल्ली– भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने को कहा, क्योंकि देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गई है।

भारत ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से भी बचने की सलाह दी। ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बाद पिछले महीने तेहरान में प्रदर्शन शुरू हुए। तब से ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं, और आर्थिक संकट के खिलाफ आंदोलन से शुरू होकर राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गए हैं। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी करते हुए कहा कि ईरान में बदलती स्थिति के मद्देनजर ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के उपलब्ध साधनों का उपयोग करके देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।

यह दोहराया जाता है कि सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) को उचित सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध प्रदर्शनों या रैलियों वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए, ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहना चाहिए। किसी भी घटनाक्रम के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखनी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान में मौजूदा घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिकों को फिर से सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक इस्लामिक गणराज्य ईरान की यात्रा करने से बचें। विदेश मंत्रालय ने 5 जनवरी को जारी पिछले परामर्श में भारतीय नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था। साथ ही, ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था।

अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) के अनुसार, ईरान में पिछले कुछ दिनों में देशव्यापी प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,500 से अधिक हो गई है। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ''मदद पहुंचने वाली है।

वनडे क्रिकेट में किंग कोहली का जलवा, रोहित को पीछे छोड़ फिर बनें नबर 1 खिलाड़ी

दुबई: भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में शानदार अर्धशतक बनाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह 37 वर्षीय बल्लेबाज जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचा है। पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के कारण पूर्व कप्तान रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

भारत ने रविवार को खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। इस मैच में कोहली ने 91 गेंदों पर 93 रन बनाए। इस पारी के दौरान वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वनडे में कोहली का हाल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने पिछले पांच मैच में कम से कम अर्धशतक जरूर लगाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 74 रन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 135, 102 और नाबाद 65 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 93 रन बनाए।

कोहली ने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने 11वीं बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह अब तक कुल 825 दिन शीर्ष पर रह चुके हैं जो किसी भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड है। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है, जबकि श्रेयस अय्यर शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डैरिल मिचेल पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेलने से एक पायदान आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह कोहली (785 अंक) से केवल एक रेटिंग अंक पीछे हैं। मिचेल के साथी खिलाड़ी डेवोन कॉनवे तीन पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने पहले वनडे में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 41 रन देकर चार विकेट लिए जिससे वह 27 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी 69वें स्थान पर हैं।

श्री मुक्तसर साहिब की पावन धरती, इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री पहुंचे पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में आयोजित 'माघी मेले' में, गिनवाई हरियाणा सरकार की उपलब्धियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा केवल पड़ोसी राज्य नहीं हैं, बल्कि दोनों का रिश्ता खून और भाईचारे का है। हरियाणा के लोग पंजाब से गहरा प्रेम करते हैं। उन्होंने पंजाब में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि जब पंजाब के लोग कठिनाई में थे, तब हरियाणा वासियों ने छोटे भाई की तरह पंजाब की हर संभव मदद की। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को श्री मुक्तसर साहिब में आयोजित 'माघी मेला में उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्री मुक्तसर साहिब की पवित्र धरा को नमन करते हुए कहा कि इस पवित्र और ऐतिहासिक स्थल पर आना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। श्री मुक्तसर साहिब की पावन धरती, इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है। यहां चालीस मुक्तों ने, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चरणों में अपने प्राण अर्पित कर दिए। यह धरती हमें सिखाती है कि मुक्ति केवल मृत्यु के बाद नहीं, बल्कि सत्य के मार्ग पर चलकर, अन्याय के खिलाफ खड़े होकर भी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने इस दौरान सभी को मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में प्राकृतिक आपदा के समय यहां के सत्तासीन नेताओं को जनता की पीड़ा दिखाई नहीं दी, आपदा के समय हरियाणा के लोगों ने पंजाब का साथ दिया, लेकिन यहां के मुख्यमंत्री उस कठिन समय में कहीं नजर नहीं आए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पंजाब की वर्तमान सरकार ने पंजाब की जनता से जो वायदे किए थे, उन पर खरी नहीं उतरी है। यहीं नहीं, वो आपदा के समय भी अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से 217 वादों वाला संकल्प पत्र जारी किया था, जिनमें से एक वर्ष के भीतर 54 वादों को पूरा किया जा चुका है। शेष 163 वादों पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने जनता से किए वायदे केवल कागजों में ही पूरे किए है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प पत्र में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का वादा किया था, जिसे पूरा कर दिया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की जा रही है। किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाता है और यदि किसी कारणवश देरी होती है तो ब्याज भी दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हरियाणा और पंजाब के किसानों पर पराली जलाने के आरोप लगाए जाते थे। अब पंजाब में चार वर्षों से आम आदमी पार्टी की सरकार है, लेकिन किसानों को पराली न जलानी पड़े, इसके लिए पंजाब सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, वहीं दूसरी ओर हरियाणा सरकार किसानों को पराली प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों पर सब्सिडी के अलावा 1200 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि दे रही है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की सहायता प्रदान भी कर रही है। इसके अलावा बहन-बेटियों के लिए भी लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये की मासिक सहायता प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में जब केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आए तो मजदूरों ने मनरेगा के तहत उनको हक नहीं मिलने की बात कही और जानकारी में सामने आया कि बहुत सी ग्राम पंचायतों में गबन हुआ और उस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई। श्रमिकों को हक दिलाने के लिए जब वीबी जी-राम-जी

एक्ट सरकार लेकर आई तो पंजाब सरकार द्वारा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर एक ऐसा प्रस्ताव लाया गया , जिसमें न तो तथ्य थे, न आंकड़े और न ही सुझाव। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार इस योजना का भी विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों का पूरा ख्याल रख रही है, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की बात हो, या फसल खराबे के मुआवजे की।

प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग करेगा कांगड़ा जिला का दौरा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार धीमान, सदस्यों एडवोकेट दिग्विजय मल्होत्रा और एडवोकेट विजय डोगरा के साथ 15 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक कांगड़ा जिले के आधिकारिक प्रवास पर रहेंगे। इस पांच दिवसीय दौरे का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के कल्याण कार्यों की समीक्षा करना, विकास कार्यक्रमों का विश्लेषण करना और स्थानीय प्रशासन व गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के साथ संवाद स्थापित करना है। 15 जनवरी को उपरोक्त विभागों-संस्थाओं के साथ धर्मशाला में बैठक का आयोजन होगा। 16 जनवरी को धर्मशाला स्थित उपायुक्त कार्यालय में सुबह 11:30 बजे जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक होनी है। 17 जनवरी को पालमपुर में सुबह 11 बजे एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में भी विभिन्न विभागों, निकायों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी। 18 जनवरी को आयोग द्वारा कांगड़ा जिले के बैजनाथ क्षेत्र में अनुसूचित जाति बस्तियों का मौके पर निरीक्षण किया जाएगा।

जनजातीय खिलाड़ियों की ट्रायल की तिथि 19 जनवरी, 2026 निर्धारित

शिमला। युवा सेवा एवं खेल विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग द्वारा इंदिरा स्टेडियम, ऊना में हिमाचल प्रदेश की जनजातीय खिलाड़ियों की एथलैटिक्स, स्वीमिंग, भारोत्तोलन, कुश्ती, हॉकी व फुटबाल (महिला व पुरूष) खेल स्पर्धाओं की टीमों के लिए 16 जनवरी, 2026 निर्धारित ट्रायल प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इन टीमों का छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी, 2026 को खेलों इंडिया ट्राईबल गेम्ज़-2026 में भाग लेना प्रस्तावित था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में ट्रायल की पुन: तिथि अब बढ़ाकर 19 जनवरी, 2026 निर्धारित की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि ट्रायल के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण 19 जनवरी, 2026 को प्रात: 10 बजे से आरम्भ होगा। सभी इच्छुक खिलाड़ी अपना हिमाचली प्रमाण-पत्र, जनजातीय प्रमाण-पत्र (अनिवार्य) तथा दो पासपोर्ट फोटो सहित परीक्षण केन्द्र में रिपोर्ट करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 98160-96296 तथा 98168-72218 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पत्नी के प्रेमी से परेशान युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर की खुदकुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के युवक की खुदकुशी करने के मामले में खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक पत्नी के प्रेमी के साथ जाने से युवक तनाव में था, इस वजह से उसने पांच जनवरी को ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी की थी। राजस्थान के झुंझुनू निवासी विक्रम ने खुदकुशी करने से पहले एक वीडियो बनाकर अपने साले अरुण को कॉल किया और उसे यह वीडियो भेजा था। इसमें उसने नम आंखों से आपबीती सुनाई। साले अरुण ने विक्रम के दोस्त को वीडियो भेजा, विक्रम का दोस्त उसे बचाने के लिए भी स्टेशन पहुंचा, लेकिन जब तक विक्रम आत्महत्या कर चुका था। परिजनों को वीडियो मिलने के बाद पुलिस को सौंपा गया। प्रेमी के साथ फरार हो गई थी पत्नी परिजनों के अनुसार विक्रम की पत्नी कुछ समय से राजस्थान के रहने वाले एक युवक के संपर्क में थी। वह उसके साथ फरार हो गई, जिससे विक्रम अवसाद में चला गया। वीडियो नोट में इस बात का भी जिक्र है कि पत्नी का प्रेमी उसे फोन पर धमकियां देता था। पुलिस ने विक्रम के पिता की शिकायत पर पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु को शिमला में राजा दुर्गा सिंह क्लब सोलन के महासचिव केशविंदर सिंह और सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 3.25 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया।

व्यवस्था परिवर्तन से हिमाचल बन रहा पर्यटन हब

जल संसाधनों के कायाकल्प से हिमाचल पर्यटन को मिल रही नई दिशा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने की दिशा में वर्तमान प्रदेश सरकार ने एक समग्र और दूरदर्शी पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार 'व्यवस्था परिवर्तन' की अवधारणा को साकार करते हुए पर्यटन को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय आजीविका और सतत आर्थिक विकास से जोड़ रही है। यह दृष्टिकोण राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित और जिम्मेदार प्रयासों पर आधारित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया। सत्ता में रहते हुए बीजेपी न तो कोई ठोस पर्यटन नीति बना सकी और न ही प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक व सतत उपयोग की दिशा में कोई गंभीर प्रयास किया। विशेष रूप से राज्य के विशाल जल संसाधन बीजेपी सरकारों की उदासीनता और दूरदृष्टि के अभाव के कारण उपेक्षित पड़े रहे।

वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इन विफलताओं को स्वीकार करते हुए और उनसे सबक लेते हुए जल-पर्यटन और इको-पर्यटन को विकास के प्रमुख स्तंभ के रूप में अपनाया है, जो यह दर्शाता है कि जो काम बीजेपी वर्षों में नहीं कर पाई, उसे वर्तमान प्रदेश सरकार ने स्पष्ट नीति और इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ाया है।

पोंग डैम झील, जो एक अंतरराष्ट्रीय महत्त्व का 'रामसर वेटलैंड' क्षेत्र है, बीजेपी के शासनकाल में न तो संरक्षण के लिहाज से प्राथमिकता में रही और न ही पर्यटन विकास के मानचित्र पर। कांग्रेस सरकार ने इस ऐतिहासिक उपेक्षा को समाप्त करते हुए पोंग डैम को भारत के प्रमुख पक्षी-दर्शन स्थलों में विकसित करने की ठोस पहल की है।

हर वर्ष नवंबर से फरवरी के बीच साइबेरिया और मंगोलिया से हजारों प्रवासी पक्षी यहां आते हैं, लेकिन पूर्व सरकार ने कभी इस वैश्विक संभावना को स्थानीय रोजगार और पर्यावरणीय शिक्षा से जोड़ने का प्रयास नहीं किया। वर्तमान प्रदेश सरकार शिकारों की सवारी, तैरते हुए पक्षी-दर्शन मंच और गाइडेड बर्ड-वॉचिंग टूर जैसी सुविधाएं विकसित कर यह सिद्ध कर रही है कि पर्यटन और पारिस्थितिकी साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। गोबिंद सागर झील (बिलासपुर) और तत्तापानी जैसे स्थल दशकों तक बीजेपी सरकार की फाइलों में ही सिमटे रहे। न बुनियादी ढांचा विकसित किया गया, न स्थानीय युवाओं को जोड़ा गया। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही इन क्षेत्रों को आधुनिक जल-पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित कर यह स्पष्ट कर दिया कि विकास की राह इच्छाशक्ति से होकर गुजरती है, केवल घोषणाओं से नहीं। आज शिकारा, स्पीड बोटिंग, हाउसबोट, जेट-स्की और वॉटर स्कूटर जैसी गतिविधियां इन क्षेत्रों में न केवल पर्यटन बढ़ा रही हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं जो बीजेपी के शासन में संभव नहीं हो सका। बीजेपी सरकार ने अपने कार्यकाल में इको-पर्यटन के नाम पर केवल योजनाएं गिनाईं, लेकिन धरातल पर कोई प्रभावी नीति लागू नहीं की। इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार की इको-पर्यटन नीति के अंतर्गत विभिन्न वन मंडलों में 77 नए इको-पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है।

यह पहल न केवल राजस्व सृजन करेगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदार पर्यटन का उदाहरण बनाएगी। बीजेपी शासन में पर्यटन क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार का साधन बनने के बजाय ठहराव का शिकार रहा। कांग्रेस सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्ट-अप योजना शुरू की है, जिसके तहत होम-स्टे, होटल और फूड वैन जैसे उद्यमों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। यह योजना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जहां बीजेपी सरकार युवाओं को अवसर देने में असफल रही, वहीं वर्तमान सरकार उन्हें आत्मनिर्भर उद्यमी बना रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के अनुसार, आज हिमाचल प्रदेश में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार की निष्क्रियता और विफल नीतियों से स्पष्ट रूप से अलग रास्ता चुना। आज पर्यटन केवल राजस्व का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सशक्तिकरण और सतत विकास का मजबूत मॉडल बन रहा है। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार ईमानदार नीयत और स्पष्ट दृष्टि के साथ काम करती है, तो व्यवस्था परिवर्तन केवल नारा नहीं, बल्कि साकार वास्तविकता बन जाता है।

दिल्ली-एनसीआर में ठंड प्रचंड, 3 डिग्री तक लुढ़का पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में सर्दी का सितम और बढ़ गया है। दिल्ली में मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान तीन डिग्री दर्ज किया गया। यह बीते तीन वर्ष में जनवरी की सबसे सर्द सुबह रही। वहीं, नोएडा में पारा दो डिग्री पर पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार मानक वेधशाला सफदरजंग में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.4 डिग्री कम है। यह शीतलहर की स्थिति में आता है। वहीं, पालम में तापमान चार डिग्री, लोधी रोड में तीन डिग्री दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है तो शीतलहर घोषित की जाती है।

मौसम विभाग ने बुधवार को भी एनसीआर में शीतलहर की संभावना जताई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तरी भारत में 15 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखेगा। इसके चलते दिल्ली में हल्के बादलों की आवाजाही होगी। इससे न्यूनतम और अधिकतम तापमान बढ़ेगा।

राजधानी में कोहरा, हवा की गति में कमी के कारण प्रदूषण के स्तर में फिर बढ़ोतरी हुई है। सीपीसीबी के अनुसार मंगलवार शाम 4 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 360 अंक पर दर्ज किया गया। यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। चिंता की बात यह रही कि राजधानी में शाम 6 बजे पांच स्थानों पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता अभी इसी के आसपास रहेगी। सीपीसीबी के मुताबिक सोमवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 297 के अंक पर रहा था। मंगलवार को इसमें 63 अंक की बढ़ोतरी हुई और यह 360 पर पहुंचे गया।

दु:ख की इस घड़ी में प्रदेश सरकार प्रभावितों के साथ : विक्रमादित्य सिंह

- अग्निकांड प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लिया जायज़ा
- प्रभावितों से की मुलाकात

सोलन। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज सोलन ज़िला के अर्की में गत दिनों हुए दु:खद अग्निकांड घटना स्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों का जायज़ा लिया और संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश जारी किए। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दु:ख की इस घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है और उन्हें यथा सम्भव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विक्रमादित्य सिंह ने अर्की बाज़ार में इस दु:खद घटना में जानो-माल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अर्की का यह बाज़ार ऐतिहासिक है और यहां ऐसी घटना होना दु:खद है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि प्रभावितों को फौरी राहत मुहैया करवा दी गई है और भविष्य में भी यथासम्भव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन तथा बचाव दलों की टीमों से बातचीत कर घटना तथा राहत एवं बचाव कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए एहतियाती उपाय अपनाने आवश्यक हैं। इस दिशा में सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति की तैयारी के लिए भविष्य के अनुसार कार्य योजना तैयार करना आवश्यक है। इस दिशा में सभी विभागों को उचित दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। शहरी विकास मंत्री ने कहा कि अग्निकांड में प्रभावित सभी लोगों को फौरी राहत प्रदान कर दी गई है। उन्होंने अग्निकांड के प्रभावित दुकानदारों को उचित सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। विक्रमादित्य सिंह ने आग बुझाने में स्थानीय युवाओं के साहसिक कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि अर्की शहर के लिए 11 करोड़ रुपए की अमृत 2 योजना स्वीकृत की गई है। इस योजना के तहत अर्की शहर में हाईड्रेंट का प्रावधान भी किया जाएगा ताकि आपातकालीन स्थिति में इसका उपयोग किया जा सके। लोक निर्माण मंत्री ने तदोपरांत लोगों की समस्याएं भी सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर राज्य महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष जैनब चंदेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतीश कश्यप, नगर पंचायत अर्की के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, नगर पंचायत अर्की के उपाध्यक्ष पदम् देव कौशल, पार्षदगण, पंचायत समिति सदस्य शशिकांत शर्मा, ग्राम पंचायत देवरा के प्रधान रूप सिंह ठाकुर, उपमण्डलाधिकारी अर्की निशांत तोमर, उपमण्डलीय पुलिस अधिकारी दाड़लाघाट नवीन झाल्टा, तहसीलदार अर्की विपिन वर्मा, लोक निर्माण विभाग अर्की के अधिशाषी अभियंता कृष्णकांत चौहान, प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड अर्की के अधिशाषी अभियंता संदीप कुमार, जल शक्ति विभाग अर्की अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

आईजीएमसी शिमला के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सोहिल शर्मा और अखिल भारतीय प्रोफेशनल कांग्रेस के राज्य उपाध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु से मुलाकात की और एसोसिएशन के विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया।

प्रदेश सरकार स्टेट न्यूट्रिशन पॉलिसी बनायेगी: मुख्यमंत्री

कंपोजिट टेस्टिंग लैब कंडाघाट को विश्वस्तरीय तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियमन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में स्टेट न्यूट्रिशन पॉलिसी बनायेगी। इस पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य बच्चों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री माताओं सहित सभी संवेदनशील वर्गों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के लिए समयबद्ध और प्रभावी कदम उठाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की कण्डाघाट स्थित कम्पोजिट टेस्टिंग लैब को विश्व स्तरीय हाई-ऐंड टेक्नोलॉजी से लैस किया जाएगा, ताकि सूक्ष्म और सटीक विश्लेषण और दक्षता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के लिए प्रथम चरण में बद्दी, मण्डी, कांगड़ा और शिमला शहर में भी क्षेत्रीय प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। द्वितीय चरण में सभी जिलों में इस तरह की प्रयोगशालाएं खोली जाएंगी।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य में न्यूट्रिशनल सरविलेंस को और सघन किया जाएगा। खाद्य पदार्थों की जांच सुनिश्चित कर उनमें उपलब्ध पोषक तत्वों की प्रोफाइलिंग और मैपिंग की जाएगी। उन्होंने विभाग को सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनवाड़ी और मिड-डे-मील सहित अन्य योजनाओं में प्रदान किये जाने वाले खाद्यानों की भी समय समय पर जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा जांच, जागरूकता क्षमता विकास और प्रशिक्षण के लिए मोबाइल वैन का उपयोग किया जाएगा, ताकि सभी जिलों में विभाग की कार्यप्रणाली को और सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने

विभाग की कार्यप्रणाली को सुगम एवं समयबद्ध बनाने के लिए नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित करने और सारी प्रक्रियाओं का डिजिटाइजेशन करने के निर्देश भी दिए। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों के सैंपल लेने तथा इसकी जांच के नतीजों सहित सभी प्रक्रियाओं के डिजिटल निष्पादन के लिए स्टेट पोर्टल विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्टेट न्यूट्रिशन डेटाबेस भी तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी तथा कीटनाशकों के कारण लोगों में बीमारियों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रदेश सरकार इन दोनों विषयों पर गम्भीरता से विचार कर समाधान के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी के दृष्टिगत प्रदेश सरकार राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है और इससे जुड़े किसानों को प्रोत्साहित कर विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को निरन्तर सुदृढ़ कर रही है। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तरीय मापदण्डों को अपनाया जा रहा है। हर चिकित्सा महाविद्यालय में आईसीयू स्थापित किये जा रहे हैं तथा अस्पतालों में विश्वस्तरीय डॉक्टर-पेशेंट अनुपात दर को अपनाया जा रहा है। बैठक में निदेशक डीडीटीजी डॉ. निपुण जिंदल, विशेष सचिव स्वास्थ्य अश्वनी शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियमन जितेन्द्र सांजटा एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिट्टा-मुक्त हिमाचल अभियान के तहत हिमाचल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राज्यभर में 433 कूरियर केंद्रों की जांच

शिमला। हिमाचल प्रदेश पुलिस के प्रवक्ता ने आज बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा शुरू किए गए राज्यव्यापी एंटी-चिट्टा जन आंदोलन के तहत 'चिट्टा-मुक्त हिमाचल' के लक्ष्य को और मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। इसी क्रम में हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आज पूरे राज्य में एक विशेष और सुनियोजित जांच अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कूरियर सेवाओं के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना था। इसके तहत राज्यभर में कूरियर कंपनियों के वेयरहाउस और गोदामों की गहन जांच और ऑडिट किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि इस राज्य स्तरीय विशेष अभियान के दौरान कुल 433 कूरियर सेवा प्रदाताओं की जांच की गई। इनमें सोलन में 43, किन्नौर में 13, सिरमौर में 31, बद्दी में 40, मंडी में 69, कुल्लू में 34, लाहौल-स्पीति में एक, हमीरपुर में 37, बिलासपुर में 23, कांगड़ा में 69, नूरपुर में 17, देहरा में 18, चंबा में 22 और ऊना में 16 कूरियर केंद्र शामिल थे।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पार्सल बुकिंग, भंडारण, परिवहन और अंतिम डिलीवरी तक पूरी कार्य प्रणाली को बारीकी से जांचा गया। कूरियर केंद्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, कर्मचारियों की पहचान, रिकॉर्ड के रखरखाव और मानक संचालन प्रक्रियाओं

के पालन पर विशेष ध्यान दिया गया। संदिग्ध पार्सलों की गहन जांच की गई और कर्मचारियों को एनडीपीएस एक्ट तथा अन्य संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह विशेष अभियान राज्य के सभी पुलिस रेंज में आपसी समन्वय के साथ एक साथ चलाया गया, जहां भी प्रक्रियागत कमियां पाई गईं, वहां संबंधित कूरियर सेवा प्रदाताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और तय समय सीमा में सुधार करने के आदेश जारी किए गए। साथ ही नशा तस्करी से जुड़े संभावित खतरों के बारे में भी उन्हें अवगत करवाया गया। प्रवक्ता ने बताया कि यह विशेष जांच अभियान कूरियर माध्यम से होने वाली नशा तस्करी को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे राज्य में कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से मुख्यमंत्री की इस मुहिम का समर्थन करने की अपील की है। यदि किसी को चिट्टा या नशीले पदार्थों से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत 112 पर कॉल करने या नजदीकी पुलिस थाना से संपर्क करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

मुफ्त सफर के लिए अगले महीने से मिलेंगे कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा जारी रखने के लिए जल्द एनसीएमसी (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) कार्ड जारी होने शुरू हो जाएंगे। डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है।

डीटीसी के मुताबिक, महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स के लिए पिंक कार्ड निशुल्क जारी होगा, जबकि रियायती यात्रा और सामान्य यात्रा के लिए जारी किए जाने वाले पास के लिए लोगों को मामूली शुल्क देना पड़ेगा। मेट्रो और नमो भारत ट्रेनों की तरह जारी होने वाले कार्ड का यह शुल्क सिर्फ एक बार लिया जाएगा। फिलहाल महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को दिल्ली की बसों में मुफ्त यात्रा के लिए पिंक टिकट जारी किए जाते हैं। दिल्ली में रोजाना करीब सात लाख पिंक टिकट जारी किए जाते हैं। महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को प्रत्येक यात्रा के लिए अलग-अलग टिकट लेना पड़ता है। डीटीसी के एक अधिकारी ने बताया कि एनसीएमसी कार्ड जारी करने के लिए प्राइवेट कंपनियों को करीब एक महीना लगेगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

आदर्श पब्लिक स्कूल (APS-20), सेक्टर-20 B, चंडीगढ़ ने लोहड़ी का त्योहार मनाया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आदर्श पब्लिक स्कूल (APS-20), सेक्टर-20 B, चंडीगढ़ ने स्कूल कैंपस में बड़े उत्साह के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया। शिक्षकों ने पारंपरिक कपड़े पहनकर सेलिब्रेशन में हिस्सा लिया, जिससे एक जीवंत और उत्सव का माहौल बन गया। इस कार्यक्रम में लोहड़ी के सांस्कृतिक महत्व पर ज़ोर दिया गया और एकता और परंपरा के मूल्यों को बढ़ावा दिया गया। स्कूल मैनेजमेंट ने सेलिब्रेशन को सार्थक और यादगार बनाने में स्टाफ के प्रयासों की सराहना की।

'युद्ध नशों विरुद्ध'' के 319वें दिन पंजाब पुलिस ने 5.4 किलो हेरोइन सहित 98 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध' के 319वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 333 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप पूरे प्रदेश में 74 एफआईआर दर्ज कर 98 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 319 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 44,481 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 5.4 किलो हेरोइन, 510 ग्राम अफीम, 110 किलो भुक्की, 724 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 4,580 रुपये ड्रग मनी बरामद की गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के खिलाफ इस युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया गया है।

इस अभियान के दौरान 72 गजेटेड अधिकारियों की निगरानी में 1,000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 333 स्थानों पर छापेमारी की। इसके साथ ही दिनभर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 342 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) लागू की है। इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने तथा पुनर्वास का उपचार लेने के लिए प्रेरित किया है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के नव-नियुक्त सदस्य को शपथ दिलाई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज स्थानीय निकाय भवन, सेक्टर-35, चंडीगढ़ में पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के नव-नियुक्त सदस्य रवि कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के सदस्य रवि कुमार ने पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद कहा कि वे अपनी योग्यता, निष्ठा, समर्पण और सौहार्दपूर्ण तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पंजाब राज्य बिजली नियामक आयोग के अध्यक्ष विश्वजीत खन्ना, बिजली विभाग के सचिव बसंत गर्ग आईएएस, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा रवि कुमार के पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित थे।

मोहाली में कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुए हत्या मामले में बड़ी सफलता; कोलकाता से तीन आरोपी गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। सेक्टर-79, सोहाना में 15 दिसंबर 2025 को कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान कंवर दिग्विजय सिंह उर्फ़ राणा बलाचौरिया पर गोली चलाकर की गई हत्या के मामले में मोहाली पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस.ए.एस. नगर श्री हरमनदीप सिंह हांस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विदेश में बैठे गैंगस्टर बलविंदर सिंह उर्फ़ डॉनी बल और अमरजीत सिंह उर्फ़ खब्बा के इशारों पर काम कर रहे तीन आरोपियों (दो शूटरों सहित) को हावड़ा रेलवे स्टेशन, कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक, पंजाब के निर्देशानुसार ए.जी.टी.एफ. और जिला पुलिस मोहाली की विशेष टीमें गठित की गई थीं। सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी विश्लेषण की सहायता से आरोपियों को ट्रैक कर गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण: करन पाठक उर्फ़ करन डिफॉल्टर, पुत्र दिनेश पाठक, निवासी गली तेलियां वाली, निमाल मंडी, अमृतसर (मूल रूप से उत्तर प्रदेश से संबंध), आयु लगभग 23 वर्ष, आठवीं पास, अविवाहित। इसके विरुद्ध थाना डिवीजन-बी, अमृतसर में लड़ाई-झगड़े के दो मामले दर्ज हैं। जांच के दौरान सामने आया कि इसने आदित्य उर्फ़ मखन के साथ मिलकर राणा बलाचौरिया पर फायरिंग की।

तरनदीप सिंह, पुत्र जसविंदर सिंह, निवासी गांव बाड़ेवाल, थाना सराभा नगर, जिला लुधियाना, आयु लगभग 25 वर्ष, एम.ए. (समाजशास्त्र), अविवाहित। इसके विरुद्ध थाना एयरो सिटी, मोहाली में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। वारदात के समय मोटरसाइकिल के साथ मौके पर मौजूद था तथा घटना के बाद शूटरों को फरार कराने में सहायता की।

वेटरन्स डे: मोहिंदर भगत ने रक्षा सेवाओं के पूर्व सैनिकों के साहस और बलिदान की सराहना की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ /अमृतसर (ब्यूरो)। साहस, बलिदान और राष्ट्र की आजीवन सेवा को समर्पित एक गंभीर किन्तु उल्लासपूर्ण श्रद्धांजलि स्वरूप, वज्र कोर, पश्चिमी कमान के तत्वावधान में, 14 जनवरी 2026 को खासा, अमृतसर में 10वां रक्षा सेवाएं भूतपूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रक्षा बलों के भूतपूर्व सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं, वीर नारियों, विधवाओं एवं उनके परिवारों के अदम्य साहस और निस्वार्थ योगदान को सम्मानित किया गया।

प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी को मनाया जाने वाला रक्षा सेवाएं भूतपूर्व सैनिक दिवस, भारत के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा के सेवानिवृत्ति दिवस का स्मरण कराता है तथा सशस्त्र बलों और उनकेविस्तारित परिवार के बीच अटूट संबंध का प्रतीक है।

सेना कमांडर, पश्चिमी कमान की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल अजय चांदपुरिया, ए वी एस एम, वी एस एम , जी ओ सी, वज्र कोर ने राष्ट्र के प्रति भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों द्वारा दी गई अतुलनीय सेवा और बलिदान के लिए गहन कृतज्ञता व्यक्त की तथा भारतीय सेना की अपने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मान देने, सहयोग करने और सदैव दृढ़ता से उनके साथ खड़े रहने की स्थायी प्रतिबद्धता को दोहराया, आज भी और सदैव।

मुख्य अतिथि श्री मोहिंदर भगत, माननीय भूतपूर्व सैनिक एवं स्वतंत्रता सेनानी कल्याण तथा बागवानी मंत्री, पंजाब सरकार, ने राष्ट्र निर्माण में भूतपूर्व सैनिकों की उल्लेखनीय भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने हालिया बाढ़ के दौरान पंजाब में उनके योगदान को विशेष रूप से उल्लेखित करते हुए, भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए राज्य सरकार के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

श्रद्धांजलि के साथ-साथ एक व्यापक कल्याण अभियान के रूप में परिकल्पित इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक सुदृढ़ एवं संवेदनशील सहायता व्यवस्था सुनिश्चित की गई। 40 से अधिक शिकायत निवारण काउंटरों के माध्यम से स्पर्श , पेंशन, ई सी एच एस, सी एस डी, पुनर्वास एवं अन्य कल्याणकारी अधिकारों से संबंधित विषयों पर त्वरित सहायता प्रदान की गई, जिससे सेना के विस्तारित परिवार की गरिमा और कल्याण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता सुदृढ़ हुई।

विशेषज्ञ ओपीडी के माध्यम से व्यापक चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई, साथ ही स्वास्थ्य लाभ, कल्याणकारी योजनाओं तथा सेवानिवृत्ति उपरांत रोजगार के अवसरों पर केंद्रित जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

इस रैली में लगभग 2,500 भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि पश्चिमी कमान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों से 4,000–4,500 प्रतिभागियों ने वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की, जिससे व्यापक एवं समावेशी पहुंच सुनिश्चित हुई।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में भूतपूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों का सम्मान एवं संवाद, सैन्य परंपराओं को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, बहुविशेषज्ञ चिकित्सा जांच, कल्याण एवं शिकायत निवारण स्टॉल तथा सामूहिक भोज शामिल रहे, जिनसे आपसी सौहार्द, स्मरण और सामूहिक गौरव की भावना को बल मिला।

नोडल फॉर्मेशन वज्र कोर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट समन्वय, गरिमामय संचालन और राष्ट्र के भूतपूर्व सैनिकों की शाश्वत विरासत को सम्मानपूर्वक नमन सुनिश्चित किया गया, जिनकी सेवा पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और जिनके बलिदान राष्ट्र की चेतना में सदैव अंकित रहेंगे।

स्मरणीय आयोजनों की इस श्रृंखला की निरंतरता में, 18 जनवरी 2026 को चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में ट्राइसिटी के भूतपूर्व अधिकारी सैनिकों हेतु एक विशेष संवाद एवं भोज का आयोजन किया जाएगा, जो भारतीय सेना और उसके भूतपूर्व सैनिकों के बीच स्थायी बंधन तथा सम्मान, सहभागिता और कल्याण के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करेगा।

गमाडा द्वारा 5,460 करोड़ रुपये मूल्य की 42 प्रमुख साइटों की ऑनलाइन नीलामी की पेशकश; वर्ष 2026 की पहली मेगा नीलामी 14 जनवरी से 11 फरवरी तकः हरदीप सिंह मुंडियां

- **भगवंत मान सरकार ने घर खरीदारों और उद्यमियों के लिए व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु गमाडा संपत्तियों की कीमतों को किया तर्कसंगतः हरदीप सिंह मुंडियां**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। योजनाबद्ध शहरी विकास को गति देने और रियल एस्टेट के अवसरों तक पहुँच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से 5,460 करोड़ रुपये मूल्य की 42 प्रमुख साइटों की नीलामी करेगी। वर्ष 2026 की पहली मेगा नीलामी 14 जनवरी से 11 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन नीलामी के लिए प्रस्तुत संपत्तियों में आवासीय प्लॉट, एस.सी.ओ., मिक्स्ड लैंड यूज़, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल तथा होटल हेतु भूमि शामिल है। यह पहल भगवंत मान सरकार की संपत्ति की कीमतों को तर्कसंगत बनाने, पूर्ण पारदर्शिता लागू करने तथा घर खरीदारों, उद्यमियों और संस्थागत निवेशकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने की निवेशक-हितैषी नीति को दर्शाती है।

पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज ग्रेटर मोहाली अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी की 42 साइटों को ऑनलाइन नीलामी के लिए प्रस्तुत किया। ऑनलाइन नीलामी में आवासीय प्लॉट, एस.सी.ओ., मिक्स्ड लैंड यूज़, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल और होटल के लिए भूमि उपलब्ध है।

स. मुंडियां ने बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की निवेशक-हितैषी नीतियों के चलते राज्य में रियल एस्टेट

सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है और इस क्षेत्र को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने कहा कि आवास एवं शहरी विकास विभाग, पंजाब के अधीन कार्यरत विकास प्राधिकरणों द्वारा समय-समय पर आयोजित ई-नीलामियों को उत्साहजनक प्रतिसाद मिला है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा वर्ष 2026 की पहली मेगा नीलामी 14 जनवरी, 2026 से 11 फरवरी, 2026 तक आयोजित की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार की पिछली कैबिनेट बैठक के निर्णय के अनुसार, इस नीलामी में प्रस्तुत की जा रही संपत्तियों की कीमतों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार संपत्ति आसानी से खरीद सके और अपने घर का सपना पूरा कर सके या नया व्यवसाय शुरू कर सके।

उन्होंने बताया कि नीलामी में प्रस्तुत संपत्तियाँ शहरों के केंद्र में स्थित हैं और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन तथा सड़क मार्ग जैसे विभिन्न परिवहन साधनों के माध्यम से आसानी से सुलभ हैं।

स. मुंडियां ने कहा कि पूरी नीलामी प्रक्रिया गमाडा द्वारा पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बोली की पात्रता, साइटों के भुगतान से संबंधित शेड्यूल, विस्तृत विवरण तथा नियम एवं शर्तें नीलामी पोर्टल puda.enivida.com पर उपलब्ध हैं। इस पोर्टल पर पंजीकरण के उपरांत बोलीदाता नीलामी में भाग ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बोलीदाताओं की सुविधा के लिए गमाडा द्वारा invest.gmada@punjab.gov.in नामक एक नया ई-मेल भी शुरू किया गया है, जिस पर संपत्तियों से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कैबिनेट मंत्री ने आशा व्यक्त की कि पिछली सफल नीलामियों की तरह यह नीलामी भी सफल रहेगी, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को और गति मिलेगी तथा नीलामी से प्राप्त राजस्व को गमाडा अपने अधिकार क्षेत्र में विकास कार्यों पर व्यय कर नए मानक स्थापित करेगा।

पंजाब के राज्यपाल ने लोक भवन में सीजीए के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गोल्फ उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन (सीजीए) द्वारा वर्ष 2025 में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गोल्फ खिलाड़ियों के सम्मान में मंगलवार को पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ''सीजीए चैंपियंस 2025'' शीर्षक से आयोजित इस समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने बेहतरीन गोल्फ खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर सम्मानित होने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में युवराज सिंह शामिल रहे, जिन्होंने वर्ष 2025 में एक ही सत्र में रिकॉर्ड सात खिताब जीतते हुए पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा पद्म श्री एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित जीव मिल्खा सिंह, तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर को भी उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर.के. पचनंदा आईपीएस (सेवानिवृत्त), सीजीए के पदाधिकारीगण तथा सम्मानित खिलाड़ियों के प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

उपलब्धि प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए, राज्यपाल कटारिया ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि इन उपलब्धियों से चंडीगढ़, पंजाब तथा पूरे देश का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन (सीजीए) द्वारा विकसित विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं एवं सुदृढ़ कोचिंग इकोसिस्टम की भी सराहना की तथा कहा कि इसने ओलंपिक खेल में चंडीगढ़ एवं ट्राई-सिटी क्षेत्र के युवा गोल्फ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने हेतु सक्रिय एवं कारगर निगरानी

लेखक : श्री अल्केश कुमार शर्मा , पीईएसबी के सदस्य तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भूतपूर्व सचिव

बुनियादी ढांचा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य वाहकों में से एक है। गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बेहतर सेवाओं के लिए निरंतर मांग पैदा करता है। यह क्षेत्र भारत के समग्र विकास को आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है और पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत की विभिन्न परियोजनाओं के तेज विकास का एक आधार रहा है। सरकार पूरी प्राथमिकता के साथ इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रही है। यह तथ्य इस वर्ष 11.1 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन और देश में समय पर विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण सुनिश्चित करने वाली नीतियों की शुरुआत से स्पष्ट होता है। "मेक इन इंडिया", आत्मनिर्भर भारत, पीएम गतिशक्ति, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लचीले नियमों और तकनीकी उन्नति जैसी अनुकूल नीतिगत पहलों के साथ, इस क्षेत्र के और भी तेजी से विकसित होने की उम्मीद है।

केरल और भारत सरकार में विभिन्न भूमिकाओं में तीस वर्षों से अधिक समय तक परियोजना कार्यान्वयन से जुड़े रहने और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं को संभालने के दौरान, मैंने विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली विभिन्न बाधाओं का सामना किया है। परियोजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली कुछ प्रमुख चुनौतियों में भूमि अधिग्रहण और नियामक संबंधी मंजूरियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, व्यापक प्रारंभिक योजना एवं जोखिम प्रबंधन का अभाव और सबसे महत्वपूर्ण बात, ऐसे कारकों के लिए पर्याप्त योजना बनाने हेतु परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं की अपरिपक्वता शामिल हैं।

परियोजनाओं के समय पर पूरा होने में बाधा डालने वाली अन्य समस्याओं में कच्चे माल की अनुपलब्धता, कुशल श्रमिकों (राजमिस्त्री, बढ़ई आदि) की अनुपलब्धता, पानी एवं बिजली की आपूर्ति का अभाव, अपूर्ण आरेख (ड्राइंग) उपलब्ध होना और डिजाइन में बार-बार होने वाले बदलाव शामिल हैं। स्थानीय समस्याओं और उचित परियोजना नियोजन एवं नियंत्रण के अभाव के कारण परियोजनाओं के पूरा होने में देरी होती है और इससे अर्थव्यवस्था पर समग्र रूप से नकारात्मक असर पड़ता है।

बुनियादी ढांचे की बड़ी परियोजनाएं जटिल होती हैं तथा इनमें कई राज्यों, कई क्षेत्रों एवं कई एजेंसियों की भागीदारी होती है और इसके लिए विभिन्न केन्द्रीय व राज्य एजेंसियों से कई बार मंजूरी लेनी पड़ती है। इसलिए समय की देरी और लागत में वृद्धि आम बात है।

यूं तो विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की अलग-अलग पद्धतियां और निगरानी तंत्र अपनाए गए, लेकिन वे एक-दूसरे से अलग-अलग काम करते लगे और उनके एवं राज्य सरकारों के बीच कोई कारगर समन्वय नहीं था।

मार्च 2015 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक आईसीटी-आधारित मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म 'प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन' (प्रगति) का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं में होने वाली देरी को खत्म करने और आम आदमी की शिकायतों को दूर करने के साथ-साथ भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और राज्य सरकारों द्वारा इंगित की गई परियोजनाओं की निगरानी करना भी था। प्रधानमंत्री ने 'प्रगति' को केन्द्र – केन्द्र और केन्द्र-राज्य समन्वय को बेहतर बनाने के एक व्यापक समाधान के रूप में तैयार किया। इसके शुभारंभ के समय उन्होंने कहा कि भारत में शासन को और अधिक कुशल एवं जवाबदेह बनना होगा तथा यह नया प्लेटफॉर्म उसी दिशा में एक कदम है। 'प्रगति' को तकनीक-आधारित एक ऐसी प्रणाली के रूप में विकसित किया गया, जो बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की निगरानी करने, सरकारी योजनाओं की समीक्षा करने और एक ही डिजिटल धरातल पर नागरिकों की शिकायतों का आकलन करने में सक्षम है।

शुरू से ही, 'प्रगति' के तंत्र ने विभिन केन्द्रीय मंत्रालयों व राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग से परियोजनाओं की निगरानी और शिकायतों के निवारण के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया है। अब तक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 50 समीक्षा बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिव और केन्द्रीय विभागों के सचिव खास परियोजनाओं तथा योजनाओं में आने वाली समस्याओं एवं बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से शामिल होते हैं। यह प्लेटफॉर्म एक आगे बढ़ने वाले फोरम के तौर पर भी काम करता है, जहां नियमित समस्याओं से मंत्रालय स्तर पर निपटा जाता है, जबकि जटिल मामलों को अंतिम समाधान के लिए प्रधानमंत्री के सामने रखा जाता है। सरकार ने 500 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित निगरानी हेतु एक परियोजना निगरानी प्रणाली और प्रधानमंत्री

कार्यालय में एक परियोजना निगरानी समूह भी बनाया है, ताकि उन परियोजनाओं की समीक्षा और पहचान की जा सके जिन्हें 'प्रगति' के तहत लिया जाना है। मैं दोनों से ही जुड़ा रहा। बैठक के बाद फॉलो-अप कैबिनेट सचिवालय द्वारा सुनिश्चित किया जाता है ताकि 'प्रगति' की बैठकों में लिए गए फैसले धरातल पर समय पर उतर सकें।

इसके शुभारंभ होने के एक दशक से अधिक समय में, 85 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 3300 से अधिक परियोजनाओं की निगरानी की गई है और उन्हें सफलतापूर्वक पूरा करने हेतु कामकाज में तेजी लाई गई है। 'एक देश, एक राशन कार्ड', प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी 61 प्रमुख सरकारी योजनाओं की समीक्षा इस प्लेटफॉर्म पर की गई है। बैंकिंग एवं बीमा, रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) और कोविड से संबंधित मामलों सहित 36 क्षेत्रों में शिकायतों का मूल्यांकन भी इस प्रणाली के जरिए किया गया है। 'प्रगति' और पीएमजी पोर्टल पर उठाए गए लगभग 7700 मुद्दों में से, 7100 से अधिक मुद्दे पहले ही हल किए जा चुके हैं। यह समाधान की 92 प्रतिशत से अधिक की दर को दर्शाता है। प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की गई 'प्रगति' की परियोजनाओं में, 3187 मुद्दे उठाए गए और 2958 हल किए गए। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि कामकाज के हर दिन एक मुद्दा हल किया गया। ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि कैसे इस प्लेटफॉर्म ने सरकारी कामकाज के कार्यान्वयन में तेजी लाई है और जवाबदेही को मजबूत किया है।

सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रम को समय पर पूरा करने में 'प्रगति' की भूमिका से संबंधित कुछ खास उपलब्धियों में मिशन अमृत सरोवर शामिल है। इस मिशन का शुभारंभ 2022 में देश भर के हर जिले में 75 जल निकाय बनाने और उन्हें पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से किया गया था। प्रत्येक अमृत सरोवर को कम से कम एक एकड़ के तालाब क्षेत्र और लगभग 10,000 घनमीटर पानी रखने की क्षमता के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस मिशन की उन्नति की नियमित समीक्षा 'प्रगति' के जरिए राष्ट्रीय पर की गई और इस प्रक्रिया में विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया। इस संयुक्त निगरानी से तेजी से फैसले लेने और जमीन की उपलब्धता एवं धनराशि जारी करने से जुड़ी बाधाओं को कारगर ढंग से हल करने में मदद मिली। इस योजना के तहत 15 अगस्त 2023 तक 50,000 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य था। हालांकि, 'प्रगति' के हतक्षेप से काम में नई सिरे से तेजी आई और अब तक देश भर में 68,800 से अधिक अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस मिशन ने पानी की किल्लत को दूर करने और कई इलाकों में सतह एवं भूजल, दोनों की उपलब्धता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं बुनियादी ढांचे पर 'प्रगति' के असर का एक और ठोस उदाहरण पेश करती हैं। जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना को 31 मार्च 1994 को मंजूरी दी गई थी। जून 2015 तक इसकी वास्तविक प्रगति मात्र 40 प्रतिशत थी। 24 जून 2015, 06 नवंबर 2019 और 30 दिसंबर 2020 को 'प्रगति' के तहत समीक्षा के जरिए इसकी प्रगति 40 से बढ़कर 60 और फिर 76 प्रतिशत हो गई। इस मार्ग पर आखिरकार 06 जून 2025 को आवागमन शुरू हो गया। इसमें 272 किलोमीटर की लंबाई में 38 सुरंगें हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 119 किलोमीटर हैं और 943 पुल हैं, जिसमें दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्क ब्रिज भी शामिल है, जो नदी से 359 मीटर ऊपर स्थित है। ब्रह्मपुत्र नदी पर बोगीबील रेल-सह-रोड पुल के मामले में भी कुछ ऐसा ही असर देखा गया। इस परियोजना को मार्च 1997 में मंजूरी दी गई थी और 27 मई 2015 तक 64 प्रतिशत काम पूरा हो पाया था और 'प्रगति' की देखरेख के बाद 25 दिसंबर 2018 को इसपर आवागमन शुरू हो गया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि तकनीक आधारित समन्वय कैसे रेल से जुड़े बुनियादी ढांचे को तेजी से आगे बढ़ा सकता है और नागरिकों को निर्धारित समय से बहुत पहले आधुनिक सेवाएं मुहैया करा सकता है।

'प्रगति' के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच एक ऐसे शासन का निर्माण करना है जो नागरिकों की उम्मीदों एवं आकांक्षाओं के अनुरूप गति से काम करे। यह प्लेटफॉर्म पीएम गतिशक्ति और 'परिवेश' जैसी प्रणालियों के साथ एकीकृत है, जो सच्चाई के एक ही स्रोत से आसान निगरानी की सुविधा देता है। इस सोच के स्वाभाविक नतीजों के तौर पर लागत में कमी, आसान डिजिटल निगरानी और विवादों को तेजी से सुलझाने जैसे लाभ सामने आए हैं। जब देरी रोकी जाती है, तो खर्च कम होता है और परियोजनाओं पर नजर रखना एवं उनका पर्यवेक्षण करना आसान हो जाता है। यह सब दर्शाता है कि जब फैसले समय पर लिए जाते हैं और जवाबदेही तय होती है, तो सरकारी कामकाज की गति बढ़ती है और इसका असर सीधे नागरिकों के जीवन में दिखाई देता है। 'प्रगति' विभिन्न मंत्रालयों और राज्यों में विभागों के बीच की बाधाओं को तोड़कर और टीम इंडिया की भावना को मजबूत करके इस दृष्टिकोण को साकार करता है।

जैसे-जैसे भारत बड़ी परियोजनाओं के लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ता जा रहा है, 'प्रगति' विभिन्न परियोजनाओं के प्रशासन और उनके समयबद्ध कार्यान्वयन की एक मुख्य संस्था बन गई है। इसने यह दर्शाया है कि तकनीक से होने वाली समीक्षाएं महज मॉनिटरिंग स्क्रीन तक ही सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे धरातल पर असली बदलाव लाती हैं। अब तक हुई 50 बैठकें इस दृष्टिकोण और सर्वोच्च स्तर पर प्रतिबद्धता की निरंतरता को दर्शाती हैं। मिशन अमृत सरोवर, बड़े रेलवे पुल, विशाल विद्युत परियोजनाएं और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि सक्रिय निगरानी से नतीजे कई गुना बढ़ सकते हैं। इसलिए 'प्रगति' एक ऐसे आदर्श के रूप में सामने है, जहां संवैधानिक पद आसान निगरानी, कारगर समन्वय, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सार्वजनिक सेवा एवं विकास के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर देश भर के सार्वजनिक कार्यालयों तक यह बदलाव तब सही मायने में सफल होता है, जब हर नागरिक के कल्याण के प्रति स्पष्ट समर्पण दिखाते हुए 'प्रगति' जैसी उपलब्धियां सार्वजनिक परियोजनाओं और नागरिक-केन्द्रित कार्यक्रमों को "सरलीकरण हेतु सुधार, नतीजे हेतु प्रदर्शन, असर डालने हेतु बदलाव" की प्रक्रिया में मदद करती हैं।

ये लेखक के निजी विचार हैं

(लेखक पीईएसबी के सदस्य तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भूतपूर्व सचिव हैं)

संपादकीय

मजबूत जीडीपी वृद्धि, लेकिन विकास की पूरी तस्वीर अभी बाकी

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.4 फीसद की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है। सात फीसद या उससे अधिक दर का मतलब यही है। दूसरी ओर, तेज जीडीपी से मांग बढ़ती है, जिससे यदा-कदा महंगाई का दबाव बनता है।अगर विकास दर संतुलित रहे तो आपूर्ति बढ़ने से महंगाई काबू में रहती है। कहा जा सकता है कि आम आदमी के लिए बहुत तेज विकास दर का मतलब महंगाई का खतरा होता है, वहीं इसकी धीमी रफ्तार से आमदनी प्रभावित होती है। लिहाजा, मध्यम और स्थिर विकास आंकड़ा सबसे अ'छा माना जाता है।कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अ'छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है।साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है, और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।दूसरी ओर, नवीनतम आंकड़ों को लेकर चर्चा में कई पहलुओं की अनदेखी हो रही है।

ट्रंप के 500 प्रतिशत टैरिफ हथौड़े का वार

बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा।

देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को

न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी।

साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन स'चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

समुद्र अब केवल व्यापार का रास्ता नहीं रहा

वह महाशक्तियों की ताकत परखने की प्रयोगशाला बन गया है

नीरज कुमार दुबे

इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बना दिया रूस के कदम ने। रूस ने इस टैंकर की सुरक्षा के लिए अपनी पनडुब्बी और अन्य नौसैनिक जहाज तैनात कर दिए। यह साफ संदेश था कि मॉस्को इस जहाज को केवल एक व्यापारिक पोत नहीं बल्कि अपनी रणनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला मान रहा है। अटलांटिक महासागर के खुले पानी में एक दिन पहले जो घटा, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। अमेरिका ने रूसी झंडे वाले एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया, जिसका सीधा संबंध वेनेजुएला के तेल व्यापार से बताया जा रहा है। यह वही टैंकर है, जिसे लेकर बीते कुछ सप्ताह से अमेरिका और रूस के बीच जबरदस्त तनाव चल रहा था।

जानकारी के अनुसार, अमेरिका का आरोप था कि यह जहाज प्रतिबंधों को तोड़कर वेनेजुएला का क'चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में लगा हुआ था। अमेरिका का कहना है कि यह तेल अवैध तरीके से बेचा जा रहा था और इससे वेनेजुएला सरकार को आर्थिक सांस मिल रही थी। इसी आधार पर अमेरिका ने समुद्र में इस टैंकर को रोकने और अपने नियंत्रण में लेने का फैसला किया।पुरुषों को क्यों पसंद आती है सुडौल महिलाएं? वजह आपको जाननी चाहिए

इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बना दिया रूस के कदम ने। रूस ने इस टैंकर की सुरक्षा के लिए अपनी पनडुब्बी और अन्य नौसैनिक जहाज तैनात कर दिए। यह साफ संदेश था कि मॉस्को इस जहाज को केवल एक व्यापारिक पोत नहीं बल्कि अपनी रणनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला मान रहा है। समुद्र में अमेरिकी और रूसी नौसेनाएं आमने सामने रहीं। आखिरकार अमेरिका ने टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया, जिसके बाद रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

रूस ने इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का उल्लंघन बताया और कहा कि अमेरिका खुले तौर पर समुद्री डकैती पर उतर आया है। वहीं अमेरिका ने इसे प्रतिबंध लागू करने की वैध कार्रवाई बताया। इस एक टैंकर ने दो महाशक्तियों को ऐसी टकराव की स्थिति में ला दिया, जिसने शीत युद्ध की यादें ताजा कर दीं। देखा जाये तो यह घटना किसी एक जहाज की कहानी नहीं है। यह उस बदलती हुई दुनिया की तस्वीर है, जहां ताकतवर देश नियम बनाते भी हैं और उन्हें तोड़ते भी हैं। समुद्र के बीच एक तेल टैंकर आज अमेरिका और रूस के बीच शक्ति संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। अमेरिका का रवैया साफ है। वह वेनेजुएला को घुटनों पर लाने के लिए हर हद पार करने को तैयार है। तेल वेनेजुएला की जीवन रेखा है और अमेरिका उसी रेखा को काट देना चाहता है। टैंकर की जब्ती यह बताती है कि अब अमेरिका केवल आर्थिक प्रतिबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि उन्हें बंदूक और युद्धपोत के दम पर लागू करने की नीति अपना चुका है। वहीं, रूस के लिए यह केवल वेनेजुएला का सवाल नहीं है। यह उसकी वैश्विक साख और प्रभाव का सवाल है। अगर रूस अपने सहयोगी देशों के व्यापार और संसाधनों की रक्षा नहीं कर पाता, तो उसकी ताकत केवल भाषणों तक सिमट कर रह जाएगी। इसी कारण मॉस्को ने पनडुब्बी और युद्धपोत भेजकर यह दिखा दिया कि वह समुद्र में भी अमेरिका को खुली चुनौती देने से नहीं डरेगा। सामरिक दृष्टि से देखा जाये तो यह टकराव बेहद महत्वपूर्ण है। पहली बात, यह संघर्ष समुद्री मार्गों को युद्ध क्षेत्र में बदल रहा है। अब समुद्र केवल व्यापार का रास्ता नहीं रहा, बल्कि वह महाशक्तियों की ताकत परखने की प्रयोगशाला बन गया है। दूसरी बात, पनडुब्बियों और युद्धपोतों की तैनाती बताती है कि किसी भी समय एक छोटी घटना बड़े सैन्य टकराव में बदल सकती है। देखा जाये तो तेल की राजनीति इस पूरे खेल के केंद्र में है। वेनेजुएला के पास विशाल तेल भंडार हैं और उस पर नियंत्रण का मतलब है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। अगर अमेरिका इसमें सफल होता है, तो वह तेल की कीमतों और आपूर्ति को अपने हितों के अनुसार मोड़ सकेगा। वहीं रूस और उसके साथी देश चाहते हैं कि पश्चिमी दबदबा टूटे और वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी हो। साथ ही दो महाशक्तियों की इस भिडंत का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। सबसे पहला असर ऊर्जा कीमतों पर होगा। अनिश्चितता बढ़ते ही तेल और गैस की कीमतें उछलेंगी, जिसका बोझ सीधे आम जनता पर पड़ेगा। दूसरा असर वैश्विक राजनीति पर होगा। छोटे और मध्यम देश दबाव में आ जाएंगे कि वे किस खेमे में खड़े हों। साथ ही यह टकराव दुनिया को नए गुटों में बांट सकता है। एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व वाला पश्चिमी समूह होगा, तो दूसरी तरफ रूस के साथ खड़े वे देश होंगे जो अमेरिकी वर्चस्व से असहज हैं। यह विभाजन व्यापार, तकनीक और सुरक्षा सभी क्षेत्रों में दिखाई देगा। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अंतरराष्ट्रीय कानून अब ताकतवर देशों के लिए केवल एक हथियार बनता जा रहा है। जब जरूरत हो तो कानून की दुहाई दी जाती है और जब जरूरत न हो तो उसे ताक पर रख दिया जाता है। इससे वैश्विक व्यवस्था की नींव कमजोर होती है। बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि यह टैंकर भविष्य की झलक है। आने वाले समय में ऐसे टकराव और तेज होंगे। समुद्र, आकाश और ऊर्जा संसाधन नई जंग के मैदान बनेंगे। अमेरिका और रूस की यह रस्साकशी केवल दो देशों की नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ी हुई है।

वर्ग पहेली 5974

1	2		3	■	■	4	
5		■	6		7		■
	■	8		■	9		10
11	12		■	13	■	■	
14			■	■	15		
	■	16	17	18		■	
■	19				■	20	■
21			■	22			

संकेतः बाएं से दाएं

1. टीवी पर पूरी तरह कलर प्रसारण 1953 में इस देश में शुरू हुआ (4)
4. कशमीर की प्रसिद्ध झील (2)
5. अग्निज्वाला, आग की लपट (2)
6. हंगरी की राजधानी जो देश का सबसे बड़ा नगर है (2)
8. कंस के एक मल्ल का नाम, एक प्रकार का वृक्ष (2)
9. चोट (3)
11. परिवार, खानदान, कुटुंब (3)
13. शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर का सूचक शब्द, तुल्य (1)
14. सहमत होना, राजी होना (3)
15. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
16. वर्तमान दौर एक प्रसिद्ध न्यूज चैनल (4)
19. ब्राह्मणों की दृष्टि से वह व्यक्ति जो उससे अपने धार्मिक कृत्य कराता है (4)
21. शक करने वाला, संदेही (3)
22. दस हजार हाथियों के बराबर बल होने के कारण पांडुपुत्र भीम का एक नाम यह भी है (4)

ऊपर से नीचे

1. फिल्म इंडस्ट्री में ये अभिनेता दादामुनी कहलाते थे (6)
2. उत्सव (2)
3. यह अफगानितान देश की राजधानी है (3)
4. धूल झाड़ने का कपड़ा या अन्य कोई वस्तु (3)
7. पुस्तक का पन्ना, पृष्ठ (2)
8. श्यामबेनगल की अंकुर इस अभिनेत्री की पहली फिल्म थी, नायक थे अनंत नाग (6)
10. बारिश, वर्षाकाल (4)
12. महिला ईसाई पादरी को यह कहते है (2)
15. चेहरे की रंगत उड़ जाना, बदरंग (3)
17. एकत्रित, इकट्ठा, संचित (2)
18. खींचकर कड़ा होना (3)
19. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी वस्तुओं आदि के लिए होता है (2)
20. प्रभु, परमेश्वर, भगवान, ईश्वर (2)

वर्ग पहेली 5973 का हल

अ	मे	रि	का	■	सु	जा	ता
मृ	■	वा	र	दा	त	■	र
त	मी	ज	दा	र	■	आ	ना
मं	जा	■	र	म	जा	न	■
थ	न	■	■	दा	■	बा	गी
न	■	क	द	र	दा	न	■
■	ख	ल	ल	■	हो	■	घा
स	ला	मी	■	ब	द	ल	ना

हम खुश रहना नहीं समझे जाना चाहते हैं

सुंदरचंद ठाकुर

आज का इंसान बार बार यह कहता है कि वह खुश रहना चाहता है। वह खुशी खोजता है रिश्तों में, उपलब्धियों में, यात्राओं में, मनोरंजन में और बाहरी सफलताओं में। पर यदि हम थोड़ी देर ईमानदारी से भीतर झांकें, तो एक अलग सच सामने आता है। हम वास्तव में हर समय खुश रहना नहीं चाहते। हम बस यह चाहते हैं कि कोई हमें समझ ले। कोई हमारी उलझन को देख ले, हमारे मौन को सुन ले, और हमारे भीतर चल रहे संघर्ष को बिना जज किए स्वीकार कर ले।

दुख का सबसे बड़ा कारण जीवन की कठिनाई नहीं होती, बल्कि यह अनुभव होता है कि हमारी बात कोई सुन नहीं रहा। हम भीड़ में रहते हुए भी अकेले महसूस करते हैं, क्योंकि हमारे आसपास लोग हैं, पर समझ नहीं है। हम बोलते बहुत हैं, पर कह नहीं पाते। और जब कह नहीं पाते, तो भीतर एक भारीपन जमने लगता है।

अक्सर हम कहते हैं कि फलां व्यक्ति खुश नहीं है, जबकि स'चाई यह होती है कि वह व्यक्ति कुछ कहना चाह रहा होता है जिसे कोई सुन नहीं रहा होता। जब किसी की पीड़ा को बार बार हल्के में लिया जाता है, जब उसके प्रश्नों को टाल दिया जाता है, जब उसकी भावनाओं को कमजोरी कह दिया जाता है, तो वह व्यक्ति धीरे धीरे खुद से कटने लगता है। वह बाहर से मुस्कराता है, पर भीतर से सिकुड़ जाता है।

समस्या यह भी है कि हम खुद को भी समझने का समय नहीं देते। हम अपने ही भीतर उठ रही भावनाओं से भागते हैं। हम दुख को दबाते हैं, भ्रम को अनदेखा करते हैं, और असंतोष को व्यस्तता के नीचे छिपा देते हैं। जब हम खुद को नहीं समझते, तो दूसरों से समझे जाने की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं। समझा जाना केवल सहमति नहीं होता। कोई आपसे सहमत न भी हो, फिर भी वह आपको समझ सकता है। समझा जाना मतलब यह है कि कोई आपकी स्थिति को महसूस करने की कोशिश करे। यह एक मानवीय जरूरत है, जो उम्र, पद या सफलता से कम नहीं होती। शायद इसीलिए बड़े पदों पर बैठे लोग भी भीतर से खाली महसूस करते हैं।

हमारे समाज में खुशी को लक्ष्य बना दिया गया है। हर कोई कहता है कि खुश रहो। पर कोई यह नहीं सिखाता कि पहले खुद को समझो। खुशी परिणाम है, समझ प्रक्रिया है। जब समझ आती है, तो खुशी अपने आप जन्म लेती है। बिना समझ के खुशी केवल क्षणिक राहत बनकर रह जाती है। रिश्तों में भी यही होता है। हम चाहते हैं कि सामने वाला खुद को बदल ले, हमें बेहतर महसूस कराए, हमें खुश रखे। पर हम यह नहीं पूछते कि क्या हम उसे समझ पा रहे हैं। जब दो लोग एक दूसरे को समझने लगते हैं, तो शिकायतें कम हो जाती हैं। अपेक्षाएं ढीली पड़ जाती हैं। और वहां से शांति की शुरुआत होती है।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी देखा जाए, तो स्वयं को समझना ही आत्मा की ओर पहला कदम है। जब हम अपने विचारों, भय और इ'छाओं को बिना विरोध के देख पाते हैं, तब भीतर एक गहरी स्वीकार्यता जन्म लेती है। यही स्वीकार्यता हमें दूसरों के प्रति भी करुणामय बनाती है। शायद जीवन का सबसे बड़ा अभ्यास यही है कि हम सुनना सीखें। पहले खुद को, फिर दूसरों को। बिना समाधान दिए, बिना उपदेश दिए, केवल उपस्थित रहकर। यही उपस्थिति आज के समय में सबसे बड़ा उपहार है।

आज का राशिफल

मेष

आज आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। कईं लोगों के लिए दिन भर आलस का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से घरवालों को अच्छा लगेगा।

वृष

आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें सुनने को मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में आपको सावधानी बरतनी होगा। इससे आप होने वाले नुकसान से खुद को बचा सकते हैं। इन्वेस्टमेंट के मामले में आज फायदा उठाया जा सकता है।

मिथुन

आज का दिन एक्साइटमेंट से भरा रहने वाला है। दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिये किसी खास मामले की आपको जानकारी दे सकता है। स्टूडेंट अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा। बिजनेसमैन अपने धंधे में नई तकनीकें अपना सकते हैं।

कर्क

आज का दिन काफी स्पेशल साबित होने वाला है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी फायदे का सौदा रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं। आगे चलकर इससे परेशानी हो सकती है। परिवार में मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे।

सिंह

आज का दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो फौरन आगे बढ़ें। इससे आपको फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का यह सही समय है। दोस्तों के साथ रहने से आपको फायदा हो सकता है।

कन्या

आज का दिन काफी बिजी रहने वाला है। दिमाग से किए गए काम से आपको फायदा होगा। इससे आपको बहुत अधिक खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी सामने आएंगे।

तुला

आज का दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए कोई खुशखबरी मिल सकती है। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। हालांकि, आपको लेनदेन और बिजनेस से संबंधित कार्यों में सावधानी बरतनी होगी। इसमें किसी प्रकार का खतरा हो सकता है। सेहत पर भी आपको ध्यान देने की जरूरत है।

वृश्चिक

आज मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके प्राप्त होंगे। इस दौरान घूमने फिरने के मौके भी आपको मिलेंगे। ऐसे में आपको हमेशा तैयार रहना होगा। ऐसा ही मौका आज शाम को भी मिल सकता है। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मुलाकात होगी।

धनु

आज टाइम अच्छा रहने वाला है। ऐसे में आपको इसका पूरा फायदा उठाना होगा। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है।

मकर

आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। काम काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होंगे। दिन भर काम करने लायक बहुत से काम हैं लेकिन किसे करना है और किसे नहीं यह आपको सोचना होगा।

कुंभ

आज टीमवर्क से काम करना होगा। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट देखने को मिलेंगे। बातचीत से कोई नया आइडिया आ सकता है, जो भविष्य में फायदे का सौदा बने। दोस्त के लिए तोहफा खरीदते वक्त आपकी जेब का ख्याल रखें।

मीन

आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय घरवालों के साथ समय गुजारें।

20 लाख के पैकेज का छोड़ा मोह, सिर्फ 50,000 से शुरू किया ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई की दीप वोरा की कहानी साहसी

बदलाव की मिसाल है। लगभग एक दशक तक सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर (सीएफपी) के रूप में उन्होंने काम किया। वह 20 लाख रुपये के शानदार पैकेज पर काम कर रही थीं। एक मैराथन रेस के दौरान उन्होंने अपनी सीमाओं को चुनौती दी। वहीं से उनके जीवन की नई दिशा तय हुई। दीप ने महसूस किया कि अगर वह 21 किलोमीटर की कठिन दौड़ पूरी कर सकती हैं तो कॉर्पोरेट लाइफ के कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर खुद का कुछ बड़ा भी खड़ा कर सकती हैं। इसी संकल्प के साथ उन्होंने अपनी जमी-जमाई नौकरी छोड़ दी। फिर हाची विद लव की नींव रखी। आज यह स्टार्टअप न केवल स्वस्थ स्नैक्स के बाजार में अपनी पहचान बना चुका है। अलबत्ता, सालाना 80 लाख रुपये का टर्नओवर भी हासिल कर रहा है। आइए, यहां दीप वोरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। कॉर्पोरेट जॉब को कहा अलविदा साल 2016 तक दीप वोरा एक कॉर्पोरेट जॉब में थीं। लेकिन, एक मैराथन ने उनकी सोच बदल दी। गैर-खेल पृष्ठभूमि से होने के बावजूद जब उन्होंने 21 किमी की दौड़ पूरी की तो उन्हें अपनी अंदरूनी ताकत का अहसास हुआ। 2018 तक वह मुंबई के रनिंग सर्किट का नियमित चेहरा बन गईं। एक दिन दौड़ते समय उन्होंने तय किया कि अब समय करियर में भी जोखिम लेने का है। उन्होंने 20 लाख रुपये सालाना की अपनी सुरक्षित नौकरी से इस्तीफा दे दिया ताकि वह उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमा सकें। नौकरी छोड़ने के बाद एक साल तक रिसर्च करने पर दीप ने पाया कि स्नैक्स बाजार, विशेषकर ग्रैनोला कैटेगरी में नैचुरल प्रोडक्ट्स की भारी कमी है। अक्टूबर 2019 में सिर्फ 50,000 रुपये के निवेश से हाची विद लव की शुरुआत हुई। शुरुआत में इसे एक त्तस्त्र(क्विक सर्विस रेस्टोरेंट) मॉडल के रूप में पेश किया गया, जहां ग्राहकों को सैम्पल के तौर पर ग्रैनोला दिया गया।

भारत को मिर्च लगा रहा चीन, मसाला एक्सपोर्ट की रीढ़ पर कर रहा वार!

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय मसालों के दुनियाभर में तूती बोलती है। लेकिन अब उसकी बादशाहत को खतरा पैदा हो गया है। चीन दुनिया के मसाला बाजार से भारत को आउट करने की फिराक में है। चीन ने जीरे और मिर्च जैसे मसालों की खेती और निर्यात शुरू दिया है, जिनमें सदियों से भारत का दबदबा रहा है। चीन इन मसालों को भारत से भी सस्ते दामों पर बेच रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक के तौर पर भारत को चुनौती मिल सकती है। बावजूद उसके मसाले सस्ते पड़ रहे हैं। बिग हाट के वाइस प्रेसिडेंट संदीप वोडेपल्ली ने कहा कि पिछले दो साल से चीन जीरे और मिर्च की खेती कर रहा है और कुछ बाजारों में भारत की जगह ले रहा है।

मिर्च का एक्सपोर्ट

2024-25 में भारत से मिर्च पाउडर का निर्यात पिछले साल के मुकाबले 35 प्रतिशत बढ़कर 80.6 मिलियन किलो हो गया। वहीं, कुल मिर्च निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 700,000 टन से ज्यादा रहा। लेकिन इस दौरान निर्यात से होने वाली कमाई 11 प्रतिशत कम हो गई। इससे साफ है कि कीमतों पर भारी दबाव है। 2023-24 में भी मिर्च का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा था। इस दौरान जीरा निर्यात में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 में जीरे का निर्यात पिछले साल के 165,269 टन से 39 प्रतिशत बढ़कर 229,881 टन हो गया। कारोबारियों का कहना है कि चीन दो तरह की मिर्च पर खास ध्यान दे रहा है। इनमें पैपरिका और तेजा शामिल हैं। पैपरिका का इस्तेमाल रंग और हल्के फ्लेवर के लिए होता है। मिर्च की तेजा किस्म काफी तीखी होती है। इसका यूज दर्द निवारक मलहम जैसी दवाओं में होता है। बल्क एक्सपोर्टर प्रकाश अग्रवाल ने कहा, इस बदलाव का असर अगले दो सीजन में दिखने लगेगा। मौसम की मार और निर्यात बाजार में कम दाम की वजह से किसान खरीफ सीजन में मिर्च और जीरा की खेती करने से कतरा रहे हैं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे मुख्य उत्पादक राज्यों में मिर्च की खेती का रकबा पिछले साल के मुकाबले करीब 35 प्रतिशत कम हो गया है।

अंबानी 100 अरब क्लब से बाहर, 13 दिन में गंवाए 8.12 अरब डॉलर

नई दिल्ली- भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ अब 99.6 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.12 अरब डॉलर यानी 7,31,66,64,04,000 की गिरावट आई है। रिलायंस के शेयरों में हाल में आई गिरावट के कारण ऐसा हुआ। मंगलवार को कंपनी का शेयर 1 फीसदी से अधिक गिरा था और इससे अंबानी की नेटवर्थ 2.07 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं।

अंबानी इस साल सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे केवल मार्क जकरबर्ग हैं। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ की नेटवर्थ में इस साल 9.84 अरब डॉलर की गिरावट आई है। जकरबर्ग 223 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में एलन मस्क 640 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.9 अरब डॉलर की तेजी आई है।

कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लैरी पेज 287 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर है। इस लिस्ट में सर्गेई ब्रिन (267 अरब) तीसरे, जेफ बेजोस (264 अरब) चौथे, लैरी एलिसन (255 अरब) पांचवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट (207 अरब) सातवें, स्टीव बालमर (.164 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग (.154 अरब) नौवें और वॉरेन बफे (.149 अरब) दसवें नंबर पर हैं। गौतम अडानी 81 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 21वें नंबर पर हैं।

धरा रह गया ट्रंप का टैरिफ! चीन ने बनाया एक्सपोर्ट का रेकॉर्ड

ट्रेड सरप्लस पहली बार 1 ट्रिलियन के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन का ट्रेड सरप्लस पहली बार 1 ट्रिलियन

डॉलर के पार पहुंच गया है। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकडों के मुताबिक बीते साल यानी 2025 में लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर रहा जो पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान टैरिफ के कारण अमेरिका को चीन का एक्सपोर्ट कम हुआ लेकिन दूसरे देशों को बढ़ गया। चीन का निर्यात में 2024 की तुलना में 5.5 प्रतिशत बढ़कर 3.77 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। वहीं, आयात 2.58 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। साल 2024 में चीन का ट्रेड सरप्लस 992 अरब डॉलर था। के निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर था। आयात में भी 5.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल चीन पर भारी टैरिफ लगाया था।

वेदांता और हिंदुस्तान जिंक के शेयर ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी।
वेदांता और उसकी सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयर आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने वेदांता के शेयर के लिए टारगेट प्राइस 686 से बढ़ाकर 806 कर दिया है। इससे कंपनी का शेयर बीएसई पर 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 679.40 के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 2.6 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस साल कंपनी के शेयरों में 11 फीसदी तेजी आई है जबकि पिछले एक साल में इसने 56 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है।

कंपनी के शेयरों में यह तेजी कमोडिटी की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से भी मजबूत हुई है। नुवामा ने उम्मीद जताई है कि वेदांता के डीमर्जर से वैल्यू अनलॉक होगी। वेदांता की डीमर्जर योजना को एनसीएलटी

ने 16 दिसंबर 2025 को मंजूरी दे दी थी। अब कंपनी रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज और स्टॉक एक्सचेंजों से मंजूरी लेने के अंतिम चरण में है। यह मंजूरी मिलने के बाद, पांच अलग-अलग कंपनियां डीमर्ज होकर लिस्ट हो सकेंगी।

इस बीच वेदांता की सहायक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक का शेयर भी आज ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह करीब 6 फीसदी तेजी के साथ 670 रुपये पर पहुंचा। पिछले सत्र में यह 629.85 रुपये पर बंद हुआ था और आज 639.15 रुपये पर खुला। चांदी की कीमत में तेजी के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। चांदी की कीमत पहली बार 90 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंची है। एमसीएक्स पर भी इसमें 13,000 रुपये प्रति किलो की तेजी आई और यह 2,87,990 रुपये पर पहुंच गई।

हिन्दुस्तान जिंक दुनिया की टॉप पांच चांदी उत्पादक कंपनियों में से एक है। इसकी सालाना उत्पादन क्षमता करीब 800 टन है। जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि चांदी और जिंक की बढ़ती कीमतों से हिन्दुस्तान जिंक को फायदा हुआ है। आज की तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 2.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 12.30 बजे कंपनी का शेयर बीएसई पर 4.16 प्रतिशत तेजी के साथ 656.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

13,000 रुपये उछली चांदी, सोने में भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमत में आज एक बार फिर काफी तेजी आई और नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई। स्ष्ट्ठ पर चांदी के मार्च वायदा में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी गई। चांदी करीब 13,000 रुपये बढ़कर 2,87,990 प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी 2,75,187 रुपये पर बंद हुई थी और आज 2,81,698 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 2,80,555 रुपये तक लो और 2,87,990 रुपये तक हाई गई। सुबह 10.20 बजे यह 11,193.00 रुपये की तेजी के साथ 2,86,380 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। सोने की कीमत में भी करीब 900 रुपये की तेजी आई है। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,42,241 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज यह 1,40,501 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,40,501 रुपये तक लो और 1,43,173 रुपये तक हाई गया। 11.20 बजे यह 843 रुपये की तेजी के साथ 1,43,084 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। पिछले साल सोने और चांदी की कीमत में 1979 के बाद सबसे ज्यादा तेजी देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत पहली बार 90 के पार पहुंच गई। इसके साथ ही चांदी का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से कम रहे हैं। इन आंकड़ों ने फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को और मजबूत किया है। ईरान में तनाव और अशांति ने कीमती धातुओं में सुरक्षित निवेश की अपील को और बढ़ाया है।

जीएसटी 2.0 से ऑटो उद्योग को मिला बूस्ट

रिकॉर्ड 44.89 लाख यात्री वाहन बिके, 2025 में ऐसे बढ़ी पांच फीसदी बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 ऐतिहासिक साबित हुआ है। जीएसटी 2.0 के लागू होने, कीमतों में कमी और त्योहारी सीजन के दौरान मजबूत मांग के चलते यात्री वाहनों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। थोक स्तर पर 44.89 लाख से अधिक यात्री वाहन बिके, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे साफ है कि ऑटो उद्योग ने धीमी शुरुआत के बाद साल के अंत तक जबरदस्त रफ्तार पकड़ी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के मुकाबले करीब पांच फीसदी बढ़ी है। 2024 में जहां 42,74,793 यात्री वाहन बिके थे, वहीं 2025 में यह आंकड़ा 44.89 लाख के पार चला गया। जीएसटी दरों में कटौती से वाहनों की कीमत घटी, जिससे

मध्यम वर्ग और शहरी ग्राहकों की खरीदारी बढ़ी। त्योहारी महीनों में मांग ने उद्योग को मजबूत सहारा दिया।

यूटिलिटी वाहनों की मांग सबसे ज्यादा मजबूत रही। इस सेगमेंट की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 29,54,279 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले यह 27,49,932 इकाई थी। वहीं, यात्री कारों की बिक्री में मामूली 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 13,79,884 कारें बिकीं। वैन की बिक्री भी 1.1 फीसदी बढ़कर 1,55,554 इकाई तक पहुंची। इससे साफ है कि ग्राहक ज्यादा स्पेस और फीचर्स वाले वाहनों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सिर्फ घरेलू बाजार ही नहीं, बल्कि निर्यात के मोर्चे पर भी 2025 ऑटो उद्योग के लिए बेहतर रहा। सभी श्रेणी के वाहनों के निर्यात में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 26.8 फीसदी बढ़कर 3,99,216 इकाई पहुंच गई, जो साल की सबसे ऊंची मासिक बिक्री रही। इसी महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री 39 फीसदी और तिपहिया वाहनों की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत में ऑटो सेक्टर आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों से जूझ रहा था। लेकिन आयकर राहत, रेपो दर में कटौती और जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों ने मांग को मजबूत किया। जीएसटी दरों में कटौती से वाहन सस्ते हुए और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा। तिपहिया वाहनों की बिक्री 8 फीसदी बढ़कर 7,88,429 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 8 फीसदी बढ़कर 10,27,877 इकाई पहुंच गई। इससे साफ है कि ऑटो उद्योग की रफ्तार आगे भी बनी रह सकती है।

क्या वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद 7 प्रतिशत से ऊपर रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 7.3 से 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। वहीं वित्त वर्ष 2027 में विकास दर थोड़ी घटकर करीब सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आकलन कंसल्टेंसी फर्म ग्रांट थॉर्नटन भारत ने बुधवार को जारी किया। सेवा और विनिर्माण क्षेत्र ने दिखाया मजबूत प्रदर्शन इससे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की प्रथम अग्रिम अनुमानों में कहा गया था कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 6.5 प्रतिशत के मुकाबले काफी बेहतर है। सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन के चलते भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए रखने में सफल रहा है। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और आर्थिक सलाहकार सेवा प्रमुख ऋषि शाह ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर लगाए गए टैरिफ और अन्य वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफ.एस., उत्तर रेलवे, अंबाला मंडल आईआरईपीएस वेबसाइट पर ई नीलामी लीजिंग के माध्यम से अंबाला मंडल के अंतर्गत विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में ब्रेक के एस.एल.आर./ एस.एल.आर.डी. डिब्बों में पार्सल स्पेस (4/3.9 टन) के लीज अनुबंध हेतु निविदाएँ आमंत्रित करते हैं।, निम्नलिखित विवरणानुसार, निविदा आमंत्रित की जाती हैं

क्र.	नीलामी केटलाग सं.	नीलामी शुरू होने की दिनांक एवं समय	नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय
1	UMB-SLR-02-2026 (06 लॉट)	27.01.2026/12:00	27.01.2026/13:20

क्र.सं.	ट्रेन संख्या	से-तक	कम्पार्टमेंट
1	12232	CDG-LKO	FSLR-I
2	12232	CDG-LKO	RSLR-I
3	19308	UHL-INDB	FSLR-I
4	22456	KLK-SNSI	FSLR-I
5	12326	NLDM-KOAA	FSLR-I
6	22356	CDG-PPTA	FSLR-I

ई-नीलामी में भाग लेने या ई-नीलामी प्रक्रिया से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर जाने की सलाह दी जाती है।

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंध-एफ एस
उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी

136/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैश ऑन डिलीवरी से क्रेडिट कार्ड तक का सफर; ऑनलाइन खरीदारी ने बदली भुगतान की आदतें

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दशक पहले तक औसत भारतीय उपभोक्ता डिजिटल पेमेंट को लेकर उत्सुक तो था, लेकिन पूरी तरह आश्वस्त नहीं। ऑनलाइन खरीदारी का सबसे भरोसेमंद जरिया तब भी कैश ऑन डिलीवरी यानी डिलीवरी के समय भुगतान ही था, जो इंटरनेट पर लेनदेन को लेकर बनी आशंकाओं के बीच एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता था। लेकिन समय के साथ यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई।जैसे-जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने डिजिटल वॉलेट, यूपीआई, डेबिट कार्ड और बाय नाउ, पे लेटर जैसे विकल्पों का सहज और सुरक्षित इकोसिस्टम तैयार किया, वैसे-वैसे उपभोक्ताओं की सोच भी बदली। डिजिटल पेमेंट अब जोखिम नहीं, बल्कि सुविधा बन गया। इस बदलाव का असर सिर्फ चेकआउट प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहा। ई-कॉमर्स ने औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच को भी लोकतांत्रिक बनाया। छोटे मोबाइल रिचार्ज के लिए वॉलेट और स्मार्टफोन खरीदने के लिए क्रेडिट विकल्प इनके बीच सहज रूप से स्विच करने की आदत ने लाखों भारतीयों को एक विविध वित्तीय टूलकिट से परिचित कराया। नई इंडस्ट्री रिपोर्ट्स इस बदलाव की पुष्टि करती हैं। वित्त वर्ष 2025 में रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में 35 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सबसे अहम बात यह है कि अब लगभग 90 प्रतिशत उपभोक्ता ऑनलाइन खरीदारी के लिए डिजिटल भुगतान को ही प्राथमिकता देते हैं। ये आंकड़े हाउ अर्ब इंडिया पेज 2025 रिपोर्ट से सामने आए हैं, जिसे किर्नी और अमेजन पे ने मिलकर तैयार किया है। 120 शहरों में 6,000 से ज्यादा उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन से साफ होता है कि ऑनलाइन बनी आदतें अब ऑफलाइन व्यवहार को भी दिशा दे

रही हैं। किर्नी इंडिया में पार्टनर और फाइनेंशियल सर्विसेज लीड शाश्वत शर्मा कहते हैं कि जेन जी और मिलेनियल्स भारत में क्रेडिट अपनाने की परिभाषा बदल रहे हैं। करियर की शुरुआत में ही क्रेडिट कार्ड लेना अब सामान्य हो गया है। और समावेशी वित्तीय उत्पादों के निर्माण में है। जैसे-जैसे उपभोक्ता बेसिक पेमेंट से आगे बढ़कर क्रेडिट-आधारित खर्च की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे खर्च की प्रकृति भी बदल रही है। रिपोर्ट बताती है कि रोजमर्रा के छोटे खर्चों में अभी भी कैश और यूपीआई का दबदबा है।

उत्तर रेलवे

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट, भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए कार्य करते हुए, अंबाला मंडल के अंतर्गत नीचे उल्लिखित 12 हॉल्ट स्टेशनों के लिए 5 वर्षों की अवधि हेतु हॉल्ट ठेकेदार की नियुक्ति के लिए इच्छुक आवेदकों से खुले आवेदन आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार हैः-

1.	**NIA संख्या एवं तिथि : CP-10-UMB-Halt-99-pt.-II**
2.	**रेलवे वेबसाइट : www.nr.indianrailways.gov.in**
3.	**आवेदन दस्तावेज़ डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि :** 08.01.2026 को 13:00 बजे
4.	**आवेदन दस्तावेज़ डाउनलोड अंतिम तिथि :** दिनांक 29.01.2026 को 15:00 बजे
5.	**आवेदन जमा करने की तिथि :** 29.01.2026 को 10:00 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
6.	**आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 29.01.2026 को 15:00 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
7.	**आवेदन (बिड) खोलने की तिथि :** 29.01.2026 को 15:30 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
8.	**स्टेशनों के नाम :** जेठुके, कुडनी, भरूर, गोविंदगढ़ खोखर, फकर्सर, मोहनपुरा, ककराला, राय मेहतपुर, भानुपाली, पनोह, पटियाला कैंट, बहावल बस्सी.

हॉल्ट ठेकेदार के आवंटन से संबंधित सभी निर्देश रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। 137/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

"NOTICE INVITING e-TENDER"

The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Solan invites e-tender on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors/firms for the following work through e-tendering process:

Sr. No.	Name of work.	Estimated cost.	Earnest Money.	Time of Compl-etion.	Cost of form.	Last date of filing/ uploading the tender through e-tendering upto
1.	Operation, repair & maintenance of sewerage scheme to Solan Town in Tehsil and Distt Solan H.P. (SH: -Operation, repair & maintenance of 2.90 MLD capacity Sewage Treatment Plant (STP) with tertiary treatment and sewerage network of Zone-B for three years).	1,32,04,788/-	2,07,050/-	3 Years	5000/-	27.01.2026 upto 11.00 A.M

The tender forms and other detailed can be obtained from website **http://www.hpiph.org**
HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK
Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Solan
R.No. 5672/2025-2026

फ्रेशर हैं तो इंटरव्यू के दौरान ये टिप्स दिला सकती है नौकरी

एक फ्रेशर के लिए जॉब पाना काफी कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे आपके लिए जॉब पाना काफी आसान हो जाएगा।

एक अच्छी जॉब पाना बहुत मुश्किल होता है। अक्सर एक्सपीरियंस लोगों के लिए भी मनपसंद जॉब के लिए इंटरव्यू क्रैक करना इतना आसान नहीं होता है। ऐसे में बतौर फ्रेशर इंटरव्यूअर को इंप्रेस करके जॉब पाना यकीनन एक जंग को जीतने से कम नहीं है। अक्सर ऐसा होता है कि फ्रेशर कई कंपनियों में जॉब के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन इंटरव्यू के वह पीछे रह जाते हैं और उन्हें अच्छी जॉब मिलते-मिलते रह जाती है। हो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता हो। ऐसे में आपको बहुत अधिक निराशा होती है। लेकिन अगर आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे फ्रेशर होने के बाद भी इंटरव्यू क्रैक करना और जॉब हासिल करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है।

दिखें प्रेजेंटेबल

अगर आप चाहते हैं कि इंटरव्यू में आपका अच्छा इंप्रेशन मिले तो ऐसे में आपको प्रेजेंटेबल दिखना बेहद जरूरी है। इसलिए, जब आपके पास इंटरव्यू के लिए कॉल आती है तो आप ड्रेस कोड के अनुसार कपड़े खरीदें। आप कंपनी की पॉलिसी को ध्यान में रखकर कपड़े चुन सकती हैं। आप कपड़ों को अच्छी तरह आयरन करने के अलावा अपने जूतों को भी पॉलिश करें। अगर आपका इंटरव्यू ऑनलाइन (ऑनलाइन शॉपिंग) है तो भी आप ड्रेस कोड के अनुसार कपड़े पहनना ना भूलें।

कंपनी के बारे में करें रिसर्च

अक्सर एक फ्रेशर इंटरव्यू में इसलिए भी मात खा जाते हैं, क्योंकि जब इंटरव्यूअर उनसे कंपनी के बारे में कुछ सवाल करते हैं तो उन्हें इसके बारे में पता नहीं होता है। इसलिए, अगर आपको किसी कंपनी से इंटरव्यू कॉल आई है तो आप पहले कंपनी के बारे में पूरी तरह से रिसर्च करें। आप कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस के अलावा उनके करंट क्लाइंट, ग्रोथ रिकॉर्ड व उनके गोल्स के बारे में जानने की कोशिश करें।

बॉडी लैंग्वेज को करें मेंटेंन

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। आप इंटरव्यू के दौरान किस तरह बैठते हैं, किस तरह बात करते हैं, इससे सामने वाले व्यक्ति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आपका बॉडी लैंग्वेज आपके कॉन्फिडेंस (कॉन्फिडेंस टिप्स)को दिखाता है। जिससे आपको जॉब मिलने के चांसेस काफी बढ़ जाते हैं। इसलिए, बिना किसी झिझक के आंख मिलाएं। साथ ही बैठते समय बहुत झुककर न बैठें। बात करते हुए आपके चेहरे पर हल्की मुस्कान आपको अधिक कॉन्फिडेंट बनाती है।

डॉक्यूमेंट को रखें एक्स्ट्रा सेट

जब आप इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं तो ऐसे में कोशिश करें कि आप अपने सभी जरूरी डॉक्यूमेंट के 2 या 3 एक्स्ट्रा सेट जरूर रखें। हो सकता है कि इंटरव्यू के दौरान एचआर द्वारा आपसे आपके बायोडाटा की हार्ड कॉपी मांग लें। ऐसे में अगर आपके पास अतिरिक्त कॉपी होगी तो आपके लिए काफी फायदा होगा।

इंटरव्यू के बाद करें फॉलो अप

इंटरव्यू के बाद यह बेहद जरूरी है कि आप बाद में आप फॉलो अप ई-मेल जरूर भेजें। जिसमें आप थैंक्यू के साथ-साथ फॉलोअप लें। इससे आपका एक अच्छा इंप्रेशन पड़ता है। कोशिश करें कि आप इस ईमेल को जॉब इंटरव्यू के 24 घंटों के भीतर भेजें ताकि इंटरव्यूअर को आप याद रख पाएं। हो सकता है कि इससे आपको जॉब मिलने के चांसेस काफी अधिक बढ़ जाएं।

जॉब इंटरव्यू में स्ट्रेंथ और वीकनेस पूछने पर, क्या देना चाहिए जवाब?

जब हम नई नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाते हैं, तो हमसे कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। वहीं कुछ सवाल काफी पेचीदा होते हैं, जैसे- आपकी स्ट्रेन्थ और वीकनेस क्या है? इस सवाल का जवाब कई लोग सही से नहीं दे पाते हैं और उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ जाता है।

हर किसी को नौकरी पाने के लिए इंटरव्यू देना पड़ता है। इंटरव्यू में अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपकी जॉब पक्की हो जाती है। वहीं, कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से आप नई नौकरी से हाथ धो बैठते हैं। इंटरव्यू के दौरान कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें से एक सवाल अक्सर कैंडिडेट को परेशान करता है। जब रिक्रूटर आपसे पूछता है कि Whats Your Strength And Weaknesses यानी आपकी ताकत और कमजोरी क्या हैं? कई बार लोग इस सवाल का जवाब अच्छे से नहीं दे पाते हैं और कुछ को तो समझ ही नहीं आता है कि इसका जवाब क्या देना है?

दरअसल, रिक्रूटर यह सवाल इसलिए करते हैं, क्योंकि वह देखना चाहते हैं कि आप कितने सेल्फ-अवेयर हैं। आप अपनी स्ट्रेन्थ और अपनी कमजोरियों को कितना अच्छे से जानते हैं। दूसरी बात, वे यह भी चेक करते हैं कि आपकी स्ट्रेन्थ नई नौकरी के साथ कितना ज्यादा मैच करती है। वहीं, कमजोरियां पर बात इसलिए करते हैं, क्योंकि वे देखते हैं कि आप पर्सनल ग्रोथ और प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए किस तरह से काम करते हैं।

इंटरव्यू में फ्रेशर्स अपनी स्ट्रेन्थ के बारे में क्या बताएं?

अगर आप एक फ्रेशर हैं और आपके पास किसी तरह का एक्सपीरियंस नहीं है, तो चिंता न करें। आप इंटरव्यू में स्ट्रेन्थ यानी अपनी खूबियों के बारे में पूछने पर इन टिप्स को फॉलो करें।

सीखने की उत्सुकता- इंटरव्यू में आपकी ताकत पूछे जाने पर आपको जवाब देना है कि आप सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और नई नॉलेज को हमेशा स्वीकार करने के लिए खुले रहते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी और एडैप्टिबिलिटी- आपको बोलना होगा कि आप नई जगह पर आराम से तालमेल बिठा सकते हैं। नए सॉफ्टवेयर और प्रोसेस को सीखने के लिए तैयार रहते हैं।

स्ट्रॉन्ग वर्क एथिक्स- आप हमेशा खुद को साबित करने के लिए उत्साहित बने रहते हैं। आपको कहना होगा कि आप अपने टास्क को डेडलाइन से पहले और क्वालिटी वर्क देने में काफी अच्छे हैं।

कम्युनिकेशन और टीमवर्क- इंटरव्यू में जब फ्रेशर्स से पूछा जाता है कि आपकी स्ट्रेन्थ क्या है, तो आपको जवाब देना होगा कि मैंने कॉलेज और कई कॉलेज प्रोजेक्ट्स में लीड किया है। मैं कम्युनिकेशन में और टीम के साथ मिलकर काम करने में अच्छा हूं।

टेक्निकल स्किल्स- फ्रेशर्स को अपनी टेक्निकल स्किल्स स्ट्रेन्थ के रूप में जरूर हाइलाइट करनी चाहिए। अगर आपको कोई सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग लैग्वेंज या डिजायन टूल आता है, तो उसके बारे में बताएं।

अनुभवी प्रोफेशनल्स को कैसे देना चाहिए Tell Me About Your Strengths का जवाब?

- अगर आप अनुभवी प्रोफेशनल हैं, तो आपको Tell Me About Your Strengths के सवाल के पीछे के उद्देश्य को समझना होगा। अपनी स्ट्रेन्थ के लिए STAR (सिचुएशन, टास्क, एक्शन और रिजल्ट) मैथेड के साथ जवाब देना होगा।
- अपनी स्ट्रेन्थ में टेक्निकल स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और सॉफ्टवेयर टूल्स में प्रोफिशियंसी को शामिल करना होगा।
- आपको कहना होगा कि मैं बहुत ऑर्गनाइज्ड हूं। मैंने अपनी पिछली कंपनी में एक नए मैनेजमेंट टूल को बनाया था, जिसकी वजह से हमारा काम 20 फीसदी तक आसान हो गया था।
- आपको बिना ईगो के कहना होगा कि मैं किसी भी टीम में सबसे अच्छा कम्युनिकेटर हूं।
- मेरी ताकत मल्टीटास्किंग है और मैं आउट ऑफ द बॉक्स सोचने की क्षमता रखता हूं।

इंटरव्यू में Tell Me About Your Weaknesses बताने का तरीका

- जब आपसे रिक्रूटर पूछता है कि आपकी वीकेनस क्या है? तब आपको ध्यान रखना होगा कि जिस नौकरी के लिए आपने आवेदन किया है, उसके लिए यह हानिकारक न हो।
- मैंने देखा कि मैं किसी प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने के लिए उसकी डिटेलिंग पर चला जाता हूं, जिसकी वजह से उन कामों को खत्म करने में ज्यादा समय लग जाता है। हालांकि, मैंने अपनी इस कमजोरी पर काम करना शुरू कर दिया है। मैं समय-सीमा निर्धारित करके ही काम को शुरू और खत्म करता हूं।
- मैं परफेक्शन के साथ काम करना पसंद करता हूं। हालांकि, कई बार प्रोजेक्ट को समय पर डिलीवर करने में देरी भी हो जाती है, क्योंकि मैं हर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं।
- मैं दूसरों को काम सौंपने की जगह खुद काम करने पर भरोसा करता हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि काम सही ढंग से किया जाना जरूरी है। हालांकि, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और अपनी टीम पर भरोसा रखना चाहिए।
- हमेशा अपनी कमजोरियां बताते समय ज्यादा निगेटिव होने से बचें। अपनी एबिलिटी में सुधार करने के लिए विनम्रता और कॉन्फिडेंस के साथ बैलेंस बनाकर चलें। आपका यह नजरिया ईमानदारी, ग्रोथ मेंटलिटी और प्रोफेशनलिज्म को दिखाता है।

विदेश जाकर करना चाहते हैं मीडिया की पढ़ाई, तो ये रहे टॉप 5 यूनिवर्सिटी

मीडिया की पढ़ाई के लिए अगर आप विदेश के किसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना चाहती हैं, तो इस आर्टिकल से आइडिया ले सकती हैं। यहां पर मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए कुछ यूनिवर्सिटी के बारे में बता गया है।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है और इसमें एंट्री लेने के लिए कैंडिडेट को मास कम्युनिकेशन का कोर्स करना अनिवार्य होता है। अगर आप विदेश जाकर मीडिया की पढ़ाई करना चाहती हैं और अपने करियर को एक नया आयाम देना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको मास कम्युनिकेशन व जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए बेहतरीन फॉरेन कॉलेज के बारे में बताने वाले हैं। पत्रकारिता की पढ़ाई करके छात्रों को मीडिया के विभिन्न रूपों जैसे प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया आदि के बारे में सीखने का मौका मिलेगा। खास बात यह है कि इस कोर्स को करने से आपके अंदर समाचार, फिल्म निर्माण, लेखन, जनसंपर्क और अन्य क्षेत्रों में एक जाने का मौका मिल सकता है। यदि आप इस बात को लेकर कंफ्यूज हैं कि पाठ्यक्रम की पढ़ाई के लिए आपको कौन सा कॉलेज और देश चुनना चाहिए, तो यहां इसकी पढ़ाई के लिए विदेश के टॉप 5 कॉलेजों के बारे में जानकारी दी गई है।

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन का अध्ययन करें, जहां कार्यक्रम व्यावहारिक अनुभव के साथ सैद्धांतिक नींव को जोड़ते हैं। अपना अंतर्राष्ट्रीय करियर शुरू करने के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और विनिमय कार्यक्रमों में से चुनें।

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय का एनेनबर्ग स्कूल फॉर कम्युनिकेशन पत्रकारिता और संचार में कार्यक्रमों का एक सेट प्रदान करता है। छात्र व्यावहारिक कौशल के साथ सैद्धांतिक नींव को मिलाकर एक व्यापक शिक्षा प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम मीडिया, संचार और सामाजिक गतिशीलता के बीच जटिल संबंधों की जांच करते हैं।

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय का आर्थर एल. कार्टर पत्रकारिता संस्थान पत्रकारिता, मीडिया अध्ययन और संचार में असाधारण कार्यक्रम प्रदान करता है। पुरस्कार विजेता संकाय के नेतृत्व में, हमारे कार्यक्रम छात्रों को रिपोर्टिंग, लेखन, मल्टीमीडिया उत्पादन और उससे आगे के कौशल से लैस करते हैं।

सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

इंटरैक्टिव मीडिया डिज़ाइन, मीडिया अध्ययन और लिंग और सांस्कृतिक अध्ययन में विदेश में अध्ययन के अवसरों के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशिया में अग्रणी है। संचार और नया मीडिया विभाग महत्वाकांक्षी पत्रकारों को बहुमुखी पेशेवरों के रूप में विकसित करता है, जो विविध मीडिया और संचार वातावरण में फलने-फूलने के लिए अच्छा विकल्प है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय

विदेश में पत्रकारिता और संचार में शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए लॉस एंजिल्स में दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एनेनबर्ग स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म पर विचार करें। राजनयिक वाल्टर एनेनबर्ग के नाम पर रखा गया यह एक प्रतिष्ठित संस्थान, प्रतिष्ठित एनेनबर्ग स्कूल के माध्यम से स्नातक और परास्नातक पत्रकारिता कार्यक्रम प्रदान करता है।

फ्रीलांसर से लेकर डिजाइनर तक ये हैं कॉलेज में पढ़ने वालों के लिए 5 बेहतरीन जॉब्स

कॉलेज के छात्र होने के कारण अक्सर आपका बजट कम रहता है। अक्सर लोगों सो पढ़ाई के सिलसिले में दूसरे शहर में रहना पड़ता है। ऐसे में कॉलेज फीस के साथ कई अन्य खर्चे भी जुड़ जाते हैं। सिर्फ बिल और किराने का सामान ही खर्च नहीं होता है जो आपको उठाना पड़ता है, बल्कि कई सारे अलग खर्च भी होते हैं। ऐसे मामलों में, आपको एक साइड इनकम की जरूरत होती है, जो आपको कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने में मदद करे। अगर आपके पास कॉलेज के बाद कुछ खाली समय है और आपके पास कुछ स्किल भी है, तो कुछ साइड जॉब्स करके आप अपने आय का एक बढ़िया जरिया ढूंढ सकते हैं।

फ्रीलांसर के रूप में जॉब

अंग्रेजी, पत्रकारिता, संचार या संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले कॉलेज के छात्रों के लिए, फ्रीलांस लेखन एक उपयुक्त और आकर्षक साइड हसल हो सकता है। यदि आपके पास मजबूत लेखन कौशल है, तो आप अपवर्क जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर खोज कर सकते हैं, जहां क्लाइंट ब्लॉग पोस्ट, लेख और वेबसाइट कॉपी सहित आकर्षक सामग्री तैयार करने के लिए कुशल लेखकों की तलाश करते हैं। भले ही आप तकनीकी क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे हों, आप तकनीकी लेखन या संपादन परियोजनाओं को सुरक्षित करने के लिए अपने विशेष ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ग्राफिक डिजाइनर

अगर आपको डिज़ाइन का शौक है, तो इसे फीलांस ग्राफ़िक डिज़ाइनर के रूप में आकर्षक साइड हसल में बदलने पर विचार करें। इस रचनात्मक प्रयास में क्लाइंट के लिए विजुअल कंटेंट तैयार करना शामिल है, जिसमें लोगो और बैनर से लेकर सोशल मीडिया ग्राफ़िक्स और उससे भी आगे की चीज़ें शामिल हैं। आप टी-शर्ट और हैट जैसे मर्चेंडाइज़ के लिए डिज़ाइनिंग भी कर सकते हैं या अपनी खुद की कलाकृति भी बेच सकते हैं। ग्राफ़िक डिज़ाइन, विज़ुअल आर्ट्स या इससे संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले छात्र इस साइड हसल को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए अपने कौशल और ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटर

यदि आप किसी विशेष विषय में उत्कृष्ट हैं, तो ऑनलाइन ट्यूशन के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता साझा करने पर विचार करें। यह अंशकालिक अवसर आपको अपने शेड्यूल के अनुसार काम करते हुए एक अच्छी आय अर्जित करने की अनुमति देता है। हालाँकि कोई विशिष्ट प्रमुख आवश्यकताएँ नहीं हैं, लेकिन विषय वस्तु पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, इतिहास या शिक्षा जैसे विषयों में प्रमुखता रखने वाले छात्र ट्यूशन सेवाएँ प्रदान करने के लिए अपने ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं। आप मार्गदर्शन की आवश्यकता वाले हाई स्कूल के छात्रों से जुड़ सकते हैं और दुनिया भर के छात्रों को पढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन ट्यूशन एक लचीला और संतोषजनक साइड जॉब है जो आपको अपना ज्ञान प्रदान करने और दूसरों को सफल होने में मदद करने में सक्षम बनाता है।

हरमनप्रीत यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं

ये हैं ड्ब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार (14 जनवरी) को बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह लीग के इतिहास में 1000 रन बनाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। ओवरऑल नट साइवर-ब्रंट के बाद दूसरी खिलाड़ी बनीं। हरमनप्रीत ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ 193 रनों का टारगेट चेज करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 36 साल की इस खिलाड़ी ने 43 गेंदों में 71 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेलकर मुंबई इंडियंस को सात विकेट से जीत दिलाई। यूपी वॉरियर्स की कप्तान मेग लेनिंग भी 1000 रन पूरा करने के करीब हैं। एलिस पेरी के भी 950 से ज्यादा रन हैं, लेकिन वह इस साल लीग का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो शैफाली वर्मा ने 887 रन बनाए हैं। स्मृति मंधाना ने 711 रन बनाए हैं।

ठंड, गंदगी और अस्वस्थ माहौल, इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर फिर भड़कीं मिया ब्लिचफेल्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर भारत में आयोजित इंडिया ओपन सुपर 750 के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नए वेन्यू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट होने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माहौल

ब्लिचफेल्ट ने कहा कि स्टेडियम में हालात गंदे और अस्वस्थ हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल भी पेशेवर नहीं कहे जा सकते। उनके मुताबिक, अत्यधिक ठंड के कारण खिलाड़ी दो-दो लेयर के कपड़े, जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनकर वार्म-अप करने को मजबूर हैं।

वार्म-अप में आ रही दिक्कत- उन्होंने बताया कि इतनी ठंड में सही तरीके से वार्म-अप करना मुश्किल हो जाता है, जबकि खिलाड़ियों को कोर्ट पर तेज मूवमेंट और स्प्लिट्स जैसे कठिन मूव्स करने होते हैं। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि यह एलिट खिलाड़ियों की तैयारी के लिए बिल्कुल सही माहौल नहीं है।

पिछले साल जैसी ही शिकायत- मिया ने साफ कहा कि उन्होंने पिछले साल केडी जाधव हॉल में भी इसी तरह की शिकायतें की थीं और इस साल भी स्थिति लगभग वैसी ही है।

उन्होंने बताया कि वार्म-अप कोर्ट में पक्षी उड़ते नजर आए और कोर्ट पर गंदगी भी थी, जो बेहद अस्वस्थ स्थिति को दर्शाता है।

कंधे की चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से

हटे कॉककिनाकिस

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस ने बुधवार को दाहिने कंधे में चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया, जिससे उनके विरोधी वैलेंटीन वैचेरोट को वॉकओवर मिल गया। नतीजतन, 2025 शंघाई चैंपियन वैचेरोट क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। यह मोनेगास्क खिलाड़ी अब या तो टॉप सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा का सामना करेंगे।

डेविडोविच फोकिना बुधवार शाम को सेंटर कोर्ट पर हिजिकाटा से खेलेंगे। कोकिनाकिस ने सोमवार शाम एकल मुकाबलों में लंबे इंतजार के बाद दमदार वापसी की। पेक्टोरल मांसपेशी की पुरानी समस्या के चलते सर्जरी कराने के बाद वह करीब 12 महीनों से टेनिस से दूर थे। घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी को मैच के दौरान कंधे की चोट ने फिर परेशान किया, लेकिन दर्द को दरकिनार करते हुए उन्होंने एडिलेड इंटरनेशनल में लगभग एक साल बाद अपने पहले एकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछले साल 15 जनवरी के बाद अपने पहले सिंगल्स मैच में, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दर्द के बावजूद अपना वापसी मैच पूरा किया। फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया, लेकिन पूरे मैच के दौरान उन्हें अपने दाहिने कंधे में साफ तौर पर परेशानी हो रही थी। कोकिनाकिस ने अपने मैच के बाद कहा, 'यह मुश्किल है। जाहिर है, सर्व करने की वजह से मेरे दाहिने हाथ ने मेरे पूरे करियर में मुझे परेशान किया है।

बहुत सारे 'अगर ऐसा होता तो क्या होता' वाले सवाल हैं, खासकर मेरे दिमाग में, अगर मुझे इससे परेशानी नहीं होती। मुझे पता है कि छोटी-मोटी चोटें यहां-वहां सामान्य हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जिस दौर से गुजरा हूं, वह थोड़ा असामान्य है। 'उन्होंने आगे कहा, 'यह मानसिक रूप से मुश्किल है। मैंने पूरा साल रिहैब में बिताया, इसे ठीक करने की कोशिश की। मेरी सर्जरी हुई थी। यह पिछले साल के दर्द से थोड़ा अलग था। मैं देखूंगा कि कल सुबह कैसा महसूस करता हूं। लेकिन, हां, यह मुश्किल है। यह निश्चित रूप से जीत का मजा किरकिरा कर देता है। पिछले फरवरी में, कोकिनाकिस के दाहिने पेक्टोरल मांसपेशी और कंधे की सर्जरी हुई थी।

मेंस एचआईएल: बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को 5-3 से हराया

जुगराज सिंह की हैट्रिक

रांची, एजेंसी। मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 में जुगराज सिंह ने इस सीजन की अपनी पहली हैट्रिक लगाकर श्राची बंगाल टाइगर्स को अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ 5-3 से शानदार जीत दिलाई। मंगलवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जीत के साथ बंगाल टाइगर्स 7वें पायदान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इसी के साथ टीम ने अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। डिफेंडिंग चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने तेज शुरुआत की। अभिषेक ने गोल पर पहला असली शॉट लगाया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। हालांकि, बचाव करते समय एक गलती के कारण अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक दे दिया। जुगराज सिंह गोलपोस्ट पर दिग्गज डेविड हार्ट के सामने थे। उन्होंने गेंद को नीचे और तेजी से मारकर गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया। 11वें मिनट तक टाइगर्स ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी।

1-0 की बढ़त ने टाइगर्स को बेहतर स्थिति में ला दिया था। हालांकि, दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिसमें ड्रैगन्स ने बराबरी की पूरी कोशिश की और उनके लिए उत्तम सिंह ने आक्रमण की अगुवाई की, लेकिन वे अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सके। हाफटाइम पर टाइगर्स के कोच वैलेंटिन आल्टेनबर्ग खुश नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस मैच में कई चीजें बेहतर कर सकती है।

हालांकि 36वें मिनट में ड्रैगन्स को पेनाल्टी कॉर्नर से एड्रोहित के गोल के जरिए सफलता मिली, लेकिन यह क्वार्टर पूरी तरह टाइगर्स के नाम रहा। जुगराज सिंह ने 43वें और 45वें मिनट में गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद टाइगर्स 4-1 की बढ़त पर थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में उन्होंने ड्रैगन्स को वापसी का मौका दे दिया। ड्रैगन्स ने 48वें और 51वें मिनट में थॉमस सोर्सबी और ब्लेक गोवर्स के गोल से मुकाबले को 4-3 कर दिया। अंतिम मिनटों में वीडियो रेफरल के चलते मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया, जिसमें टाइगर्स को बढ़त मिली। 55वें मिनट में मिला पेनाल्टी कॉर्नर टाइगर्स की जीत में निर्णायक साबित हुआ। अभिषेक ने शानदार वैरिएशन पर गोल किया। इंजेक्शन के बाद उन्होंने खुद को सही जगह पर रखते हुए टॉम ग्रामबुश के ड्रैग्फ्लिक से मिले डिफ्लेक्शन को गोल में तब्दील किया। इससे टाइगर्स 5-3 से आगे निकल गए और अंततः मैच अपने नाम कर लिया। मैच गंवाने के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स के कप्तान अमित रोहिदास ने आईएएनएस से कहा, 'चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे सभी खिलाड़ी निपुण और आत्मविश्वास से भरे हैं। हमें बस अपने गेम पर फोकस करना है। जब भी हमें मौके मिलेंगे, हम उन्हें गोल में बदलेंगे।'

हम अपनी कोशिश के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकते

गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने एमआई के खिलाफ छूटे कैचों पर कहा

नवी मुंबई, एजेंसी। गुजरात जायंट्स के हेड कोच माइकल क्लिंगर ने माना कि फील्डिंग में बार-बार गलतियों की वजह से उनकी टीम को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बावजूद टीम का ओवरऑल कमिटमेंट और तैयारी मजबूत है। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, उनकी खराब फील्डिंग ने टूर्नामेंट में पहले दिखाए गए अच्छे प्रदर्शन पर पानी फेर दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को तीन बार ड्रॉप किया गया, और कई मिसफील्ड और ओवरथ्रो ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो उनके पहले दो मैचों में सेट किए गए शानदार स्टैंडर्ड से बिल्कुल अलग था।

प्रदर्शन पर बात करते हुए, क्लिंगर ने कहा कि जायंट्स ज्यादातर पारी में काफी सॉलिड थे, लेकिन आखिर में चीजें बिगड़ गईं।

क्लिंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। और शायद पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की और फिर आखिरी पांच-छह ओवरों में वे सभी कैच छूट गए।

अब स्लो बैटिंग नहीं चलेगी!

टी20 में रिटायर्ड आउट का दौर, 13 दिन में

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में नया ट्रेंड देखने को मिला है। 2026 में 13 दिन के अंदर 7 खिलाड़ी रिटायर्ड आउट हुए हैं। इसका ताजा मामला मंगलवार (13 जनवरी) को विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में डीवाई पाटिल स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात जायंट्स की पारी के दौरान देखने को मिला। आयुषी सोनी इस लीग में रिटायर्ड आउट होने वाली पहली खिलाड़ी बन गई। सोनी के रिटायर होने के बाद मैदान पर आई भारती फुलमाली ने 15 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 36 रन बनाए। जॉर्जिया वेयरहम के साथ उनकी 56 रन की पार्टनरशिप की बदौलत गुजरात जायंट्स का स्कोर 5 विकेट पर 192 रन तक पहुंच गया। इससे पहले सोनी नंबर 6 पर बैटिंग करने आईं और रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। वह 14 गेंदों पर 11 रन बनाकर खेल रही थीं और उन्होंने एक भी बाउंड्री नहीं लगाई थी। 16वें ओवर के आखिर में जायंट्स ने उन्हें रिटायर्ड आउट किया उस समय स्कोर 5 विकेट पर 136 रन था।

13 दिन में ये खिलाड़ी हुए रिटायर्ड आउट

- आयुषी सोनी, गुजरात जायंट्स, डब्ल्यूपीएल।
- मोहम्मद रिजवान, मेलबर्न रेनेगेड्स, बीबीएल।
- टिम प्रिंगल, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट, सुपर स्मैश।
- रस्टन चेज, प्रिटोरिया कैपिटल्स, एसए 20।
- जीत रावल, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट, सुपर स्मैश।
- जेवियर बेल, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट, सुपर स्मैश।
- निक मैडिनसन, सिडनी थंडर, बीबीएल।

रिटायर्ड आउट के बढ़ते मामले

महिला फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट में दूसरी बार कोई खिलाड़ी रिटायर्ड आउट आउट हुई। इससे पहले 2024 में विमेंस हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के खिलाफ मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए कैथरीन ब्राइस का रिटायर्ड आउट हुई थीं। 2026 में पुरुष टी20 क्रिकेट में अब तक छह खिलाड़ी रिटायर्ड आउट हो चुके हैं। इसमें न्यूजीलैंड की सुपर स्मैश में एक ही पारी में दो खिलाड़ी रिटायर्ड आउट हुए। हाल ही में बीबीएल 2026 में पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को मेलबर्न रेनेगेड्स ने सिडनी थंडर के खिलाफ रिटायर्ड आउट कर दिया था।

● खेत से मैदान तक के संघर्ष की कहानी

जिस खेल को लोग समझते हैं मामूली, उसी ने बदली अक्षय पाटिल की जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब खेतों में हल चलाने वाले हाथ रस्सी थामकर देश का नाम रोशन करें, तो समझिए कि किस्मत भी मेहनत के आगे झुक जाती है। सुबह की पहली किरण जब खेतों पर पड़ती है, तब मिट्टी से उठती सौंधी खुशबू में पसीने की महक भी घुली होती है। यही पसीना किसी दिन खेल मैदान में ताकत बन जाता है और वही ताकत किसी परिवार की किस्मत बदल देती है। बर्फ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड मेडलः भाई को खोया, पिता का सहारा बने; हर युवा को प्रेरित करेगी राजा दास की संघर्षगाथा कोल्हापुर के एक छोटे से गांव में जन्में अक्षय पाटिल की कहानी कुछ ऐसी ही है। जहां गरीबी, जिम्मेदारियां और हालात एक साथ खड़े थे, लेकिन उनके सामने खड़ा था एक मजबूत इरादा। जिस रस्साकशी को लोग आज भी गांव-मेले का मामूली खेल समझते हैं, उसी खेल ने अक्षय पाटिल को पहचान दी, रोजगार दिया और अपने परिवार को सम्मान की जिंदगी देने का अवसर दिया।

मिट्टी में पले, मेहनत में ढले

अक्षय पाटिल की कहानी सिर्फ एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि उस भारत की तस्वीर है जहां खेल आज भी उम्मीद की सबसे मजबूत रस्सी है।अक्षय का बचपन खेतों की मेड़ों, बैलों की घंटियों और मिट्टी से सने पैरों के बीच बीता। पिता किसान थे और मां घर संभालने के साथ-साथ खेतों में हाथ बंटाती थीं। आमदनी सीमित थी और परिवार की जरूरतें ज्यादा। ऐसे माहौल में पढ़ाई करना भी एक चुनौती थी। 80 साल के दादा के सहारे दौड़ रही हरियाणा की गोल्डन गर्ल, पिता लापता, जूते खरीदना तक मुश्किल, मनीषा की आर्थिक मदद की गुहार सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले अक्षय के लिए सालाना 1200 रुपये की फीस जुटाना भी कई बार मुश्किल होता था, लेकिन उसी स्कूल ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। पांचवीं कक्षा में जिलास्तरीय रस्साकशी ट्रायल हुआ। शिक्षक मजबूत कद-काठी वाले अक्षय पाटिल को उसमें ले गए। चयन हुआ और स्कूल ने फीस माफ कर दी। यही वह मोड़ था, जहां अक्षय को पहली बार अहसास हुआ कि खेल सिर्फ शौक नहीं, रास्ता भी हो सकता है।

गांव के अखाड़े से राष्ट्रीय मंच तक

गांव में रस्साकशी कोई नई चीज नहीं थी। मेलों में, त्योहारों में, प्रतियोगिताओं में यह खेल हमेशा लोगों का मनोरंजन करता रहा है, लेकिन अक्षय ने इसे मनोरंजन से आगे बढ़ाकर लक्ष्य बना लिया। सुबह खेतों में काम, दोपहर को स्कूल और शाम को अभ्यास, यही उनकी दिनचर्या बन गई।

'द 50' में धनश्री वर्मा के साथ आने की खबरों पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी, जानिए क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हाल ही में काफी सुर्खियों में हैं. हालांकि इस बार वजह क्रिकेट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी और एक रियलिटी शो से जुड़ी अफवाहें हैं. बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट पोर्टल्स पर यह दावा किया जा रहा था कि चहल जल्द ही एक बड़े रियलिटी शो में नजर आ सकते हैं, जिसमें उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा के साथ उनकी री-यूनियन भी दिखाई जा सकती है.

रियलिटी शो की खबरों पर चहल ने तोड़ी चुप्पी- लगातार बढ़ती अफवाहों के बीच युजवेंद्र चहल ने आखिरकार 13 जनवरी को इन खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने अपने आधिकारिक बयान के जरिए साफ कर दिया कि वह किसी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनने जा रहे हैं. चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म 'लीगेसी' द्वारा जारी एक बयान शेयर किया, जिसमें इन सभी दावों को गलत बताया गया है.

आखिरी गेंद पर छक्का, पार्ल रॉयल्स को कांटे के मैच में दिलाई जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने मंगलवार शाम बोलैंड पार्क में आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर पार्ल रॉयल्स को छह विकेट से यादगार जीत दिलाते हुए घरेलू दर्शकों के दिलों में अपनी जगह और पुख्ता कर ली। डेविड वीजे के अंतिम ओवर में रॉयल्स को जीत के लिए छह रन चाहिए थे। समीकरण आखिरी गेंद पर दो रन का रह गया और दबाव के इस अहम एसए20 पल में रजा ने संयम दिखाते हुए छक्का लगाकर रॉयल्स के खेमे में जश्न की लहर दौड़ा दी।

सिकंदर रजा का कमाल- इस जीत के साथ ही पार्ल रॉयल्स ने बोलैंड पार्क पर अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज भी पूरा किया, जब डरबन सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 186/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। रजा 13 गेंदों पर 27 रन बनाकर नाबाद रहे (2 चौके, 2 छक्के), लेकिन इस रोमांचक मुकाबले में रॉयल्स के लिए कई नायक रहे। रूबिन हर्मन ने 45 गेंदों पर नाबाद 65 रन (3 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि डैन लॉरेंस ने 41 गेंदों पर 63 रन (2 चौके, 4 छक्के) की अहम पारी खेली और लक्ष्य का पीछा जिंदा रखा। तीसरे विकेट के लिए हर्मन और लॉरेंस के बीच 61 गेंदों में 106 रनों की साझेदारी निर्णायक साबित हुई। लॉरेंस खास तौर पर सुपर जायंट्स के स्पिनरों पर भारी पड़े। उन्होंने साइमन हार्मर को छक्का जड़ा और लियाम लिविंगस्टोन की गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर पारी को तेज रफ्तार दी।

इसके उलट, रॉयल्स के अफगानिस्तान के रहस्यमयी स्पिनर मुजीब उर रहमान ने सुपर जायंट्स की दमदार बल्लेबाजी के बीच किफायती गेंदबाजी करते हुए 2/22 के आंकड़े दर्ज किए।

प्लेयर ऑफ द मैच के लिए चार दावेदार-रूबिन हर्मन, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन और एडन मार्करम-थे, जिनमें हर्मन ने 45 प्रतिशत फैन वोट हासिल कर यह पुरस्कार जीता।

न्यूज डायरी

राधी देवी अमरावती पालीक्लिनिक ने मनाया 20वां स्थापना दिवस

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पिंजौर-कालका अर्बन कॉम्प्लेक्स स्थित राधी देवी अमरावती पालीक्लिनिक (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल) ने अपना 20वां स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सेवा भाव के साथ मनाया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में सुंदरकांड पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर 12:30 बजे भोग एवं लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

पंचकूला के पूर्व महापौर एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर कुलभूषण गोयल ने बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पालीक्लिनिक द्वारा समाजहित में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में लगभग 250 लोगों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया।

कैंप में मेडिसिन विशेषज्ञ डा. रमेश्वर चंदर (एमडी मेडिसिन, पूर्व पीएमओ, गवर्नमेंट हॉस्पिटल सेक्टर-16 चंडीगढ़), नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. बक्शी गुप्ता व डा. नीरज गुप्ता, आर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ डा. विवेक भाटिया, बाल रोग विशेषज्ञ डा. डेज़ी बंसल, त्वचा रोग विशेषज्ञ डा. रजत मेहता, यूरोलॉजिस्ट डा. बोधराज ठाकुर, अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे विशेषज्ञ डा. लवकेश मित्तल, फिजियोथेरेपी में डा. किरण व डा. दीपक, दंत रोग विशेषज्ञ डा. अमृता आहूजा तथा गायनोकोलॉजिस्ट डा. सुरभि गुप्ता एवं डा. अर्चना चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। पालीक्लिनिक में मेडिसिन, नेत्र, आर्थोपेडिक्स, गायनोकोलाजी, सर्जरी, पीडियाट्रिक्स, डेंटल, फिजियोथेरेपी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे एवं पूर्णतः सुसज्जित लैब की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं।

इस अवसर पर कुलभूषण गोयल व अंजू गोयल, जीवन प्रकाश अग्रवाल व लता अग्रवाल, हरगोबिंद गोयल व मीना गोयल, नेहा व मयंक गोयल, परिनीता व नितिन गोयल, मानसी व ऐनेश गोयल, वीरेन गोयल व भाविक गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर कृषि विभाग ने दिया बल

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रूपये प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रूपये प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि भूमिगत जल के संरक्षण हेतू धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलें बोने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं व अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि/बागवानी कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

श्री माता मनसा देवी मंदिर में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन प्रक्रिया 2 जनवरी 2026 से शुरू

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की सीईओ श्रीमती निशा यादव ने बताया कि श्री माता मनसा देवी (मुख्य मन्दिर, पटियाला मन्दिर व सती मन्दिर), पंचकूला, श्री काली माता मन्दिर, कालका व श्री चण्डीमाता मन्दिर, चण्डीमन्दिर मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

श्रीमती निशा यादव ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 04.01.2026 से 17.02.2026 की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये 02.01.2026 से ऑनलाइन बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आरम्भ होगी। सभी इच्छुक श्रदालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट www.mansadevi.org.in पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं।

मकर संक्रांति पर एनएसएस इकाइयों ने किया पौष्टिक भोजन वितरण अभियान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों द्वारा 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के पावन पर्व के उपलक्ष्य में पौष्टिक भोजन वितरण अभियान का आयोजन किया गया। यह आयोजन इस पर्व की कृतज्ञता, सहभागिता एवं सामाजिक सद्भावना के प्रतीक के रूप में समर्पित था।

यह कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ संपन्न हुआ। एनएसएस स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्राओं को भोजन वितरित किया। परिसर से बाहर भी अपनी सेवा का विस्तार करते हुए स्वयंसेवकों ने सेक्टर 36, चंडीगढ़ का भ्रमण किया, जहाँ स्थानीय निवासियों एवं समुदाय के सदस्यों को भोजन वितरित किया गया। इस प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से स्वयंसेवकों को समुदाय के साथ निकटता से संवाद करने का अवसर मिला, जिससे उनमें खाद्य सुरक्षा, करुणा एवं मानव सेवा के महत्व के प्रति संवेदनशीलता विकसित हुई।

महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने एनएसएस इकाइयों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल मकर संक्रांति जैसे त्योहारों की भावना को दर्शाती हैं, बल्कि छात्राओं में सहानुभूति, सामाजिक जागरूकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों के विकास में भी सहायक होती हैं।

जी राम जी एक्ट पारदर्शी और श्रमिकों के रोजगार की गारंटी : आरती सिंह राव

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश वासियों को दी मकर संक्रांति पर्व पर की शुभकामनाएं

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) कानून, 2025 भ्रष्टाचार मुक्त ग्रामीण रोजगार की गारंटी प्रदान करने के साथ-साथ पूरी तरह से पारदर्शी है। यह ग्रामीण रोजगार नीति अधिक गारंटी वाले कार्यदिवस, उच्च मजदूरी, पारदर्शी भुगतान और टिकाऊ संपत्तियों के निर्माण को सुनिश्चित करता है।

स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बुधवार को रेवाड़ी में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश वासियों को मकर संक्रांति पर्व की बधाई देते हुए सभी नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों के कल्याण और गांवों के विकास में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विकसित भारत-जी राम जी योजना शुरू की है, जो कि विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वीबी जी-राम जी कानून का उद्देश्य वास्तविक श्रमिक लाभार्थियों का समर्थन करना है। यह अधिनियम परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था करता है, मजदूरी भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। श्रमिकों को गारंटीकृत रोजगार बढ़ाकर अधिक मजदूरी देती है। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना लगभग 20 वर्ष पहले शुरू की गई थी। मनरेगा और ऐसी ही अन्य कई योजनाओं की प्रकृति ही ऐसी होती है कि इन्हें तैयार किया जाता है, पारित किया जाता है, लागू किया जाता है और इनमें सुधार भी किया जाता है। देश, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मूल रूप से बदल चुके हैं। ग्रामीण गरीबी वर्ष 2011-12 में जहां 25 प्रतिशत से अधिक थी, वहीं आज यह घटकर लगभग 5 प्रतिशत से भी नीचे आ चुकी है। इसका अर्थ है कि वर्तमान केंद्र सरकार की सकारात्मक नीतियों के कारण 25 प्रतिशत से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाओं, डी.बी.टी., आधार और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नए प्रावधानों के तहत, रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करने से श्रमिकों की गारंटीशुदा मजदूरी को काफी बढ़ावा मिला है। इसके माध्यम से सरकार श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास कर रही है। इससे पूरे भारत वर्ष में एक ग्रामीण अकुशल श्रमिक की वार्षिक आय में औसतन 7 हजार रुपए से अधिक की बढ़ोतरी होगी। वहीं हरियाणा में मजदूरी दर ज्यादा है, इसलिए हर श्रमिक को कम से कम 10 हजार रुपए अधिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि नई योजना से न केवल काम के अधिक दिन सुनिश्चित होंगे, जिससे बेहतर वेतन मिलेगा, बल्कि अनिवार्य साप्ताहिक वेतन भुगतान (अधिकतम 15 दिनों तक की देरी की अनुमति के साथ) से श्रमिकों को समय पर बढ़ा हुआ वेतन प्राप्त होगा। इससे आर्थिक स्वतंत्रता और सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। इसे संभव बनाने के लिए, केंद्र सरकार ने इस वर्ष 1 लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 88 हजार करोड़ थी, जो उस समय तक का सबसे अधिक आवंटन था यानी पिछले रिकॉर्ड आवंटन को भी पार कर लिया गया है।

आरती सिंह राव ने कहा कि इस योजना के तहत इस वर्ष हरियाणा में 52 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति के श्रमिकों को तथा 65 प्रतिशत से अधिक महिला श्रमिकों को काम मिला है। उन्होंने कहा कि इस कानून में कार्यों की प्रकृति को भी बदला गया है। पहले मनरेगा के तहत सीमित रोजगार दिया जाता था। अब जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संसाधन और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाली स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण में भी रोजगार दिया जाएगा। ग्राम पंचायतों की योजनाओं को पी.एम. गति शक्ति मास्टर प्लान से जोड़ा गया है, ताकि गांवों में होने वाला हर काम राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि इस योजना में अब कृषि के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल किया गया है।

भाजपा नेता दीपक गर्ग ने वार्ड नंबर 13 में धूमधाम से मनाई लोहड़ी, हजारों लोग हुए शामिल

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। लोहड़ी के पावन पर्व पर सेक्टर-21 स्थित न्यू कम्युनिटी सेंटर में भव्य, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रंगों से सजा लोहड़ी समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन वार्ड नंबर-13 के समाजसेवी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा हरियाणा के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी दीपक गर्ग के नेतृत्व में किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी, महिलाएं, युवा और बच्चे शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में उत्सव, उल्लास और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला। दीपक गर्ग भाजपा से वार्ड नंबर 13 की टिकट के प्रबल दावेदार हैं। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक ज्ञानचंद गुप्ता रहे, जिन्होंने विधिवत रूप से लोहड़ी प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी, आरएसएस प्रमुख अमित जी, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल, 1008 विश्वामित्र गिरी जी महाराज सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंच पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाजपा नेता श्याम लाल बंसल, सुरेश अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, पार्षद सुनीत सिंगला, ओमप्रकाश देवी नगर, भाजपा नेत्री रंजीता मेहता, पार्षद हरेंद्र मलिक, मुकेश सिंगला, अक्षय कौशिक, ब्रिज भूषण, तेजपाल गुप्ता, समाजसेवी अनिल थापर, अनीश अग्रवाल, प्रियंका पुनिया सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सायंकाल लाइव म्यूजिक, खेल गतिविधियों एवं बच्चों के मनोरंजक कार्यक्रमों से हुई। इसके पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे प्रसिद्ध गायक जश्न जैदिया, जो मशहूर पंजाबी गायक मीका सिंह की टीम से जुड़े हैं।

सूर्य-नमस्कार अभियान 2026 का शुभारंभ

योग प्रशिक्षक डॉ. जसप्रीत कौर ने सूर्य-नमस्कार से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ पर प्रकाश डाला

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा योग आयोग द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर 30 दिवसीय सूर्य-नमस्कार अभियान की शुरुआत हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ स्थित योग केन्द्र पर की गई। हरियाणा योग आयोग के चैयरमेन योगाचार्य डा. जयदीप आर्य के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षक डॉ. जसप्रीत कौर व योग डेमोंस्ट्रेटर रमेश भाटी ने सूर्य नमस्कार का सामूहिक अभ्यास करवाया जिसमें सचिवालय कर्मचारियों के अलावा, सीआईएसएफ के जवानों ने भी भाग लिया।

योग डेमोंस्ट्रेटर रमेश भाटी ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनके जीवन यात्रा व आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। योग प्रशिक्षक डा. जसप्रीत कौर ने सूर्य-नमस्कार के साथ शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ पर भी प्रकाश डाला। आरोग्य भारती चंडीगढ़ विभाग व हरियाणा प्रांत प्रचार प्रसार व सम्पर्क प्रमुख सुरेन्द्र चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों व योग को वर्तमान समय अपनी जीवनशैली में लाना बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग को एक जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया है इनके प्रोत्साहन के चलते हरियाणा अब योग युक्त नशामुक्त हरियाणा बन रहा है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार व्यक्ति के जीवन को पूर्ण स्वस्थ करता है और सूर्य-नमस्कार एक पूर्ण व्यायाम है जो सर्दी के दिनों में ठंड को भी दूर भगाता है और स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।

सोसाइटी फॉर एथ्नोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस एवं एथ्नोफार्माकोलॉजी में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हिन्द जनपथ

मोहाली (ब्यूरो)। राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), मोहाली के निदेशक प्रोफेसर दुलाल पांडा ने सोसाइटी फॉर एथ्नोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस तथा एथ्नोफार्माकोलॉजी में अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – पारंपरिक चिकित्सा का आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में एकीकरण (एसएफईसी–आईसीटीआरई–2026) के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम की जानकारी दी। यह सम्मेलन 26 से 28 फ़रवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

अपने संबोधन में प्रोफेसर पांडा ने कहा कि यह सम्मेलन विश्वभर के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञों तथा नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा। इस मंच पर पारंपरिक औषधीय ज्ञान के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान तथा आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में उसके प्रभावी एकीकरण पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर को सम्मेलन की गतिविधियों की औपचारिक शुरुआत बताते हुए समकालीन स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित प्राकृतिक एवं पारंपरिक उपचारों को बढ़ावा देने में नाइपर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर संजय जाचक, आयोजन सचिव, एसएफईसी–आईसीटीआरई–2026 ने नाइपर, मोहाली में आयोजित होने वाले सम्मेलन का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु "अनुप्रयुक्त अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं एथ्नोफार्माकोलॉजी" पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पारंपरिक चिकित्सक सम्मेलन, उद्योग–संवाद कार्यक्रम तथा आयुष लघु संगोष्ठी जैसी प्रमुख शैक्षणिक एवं जनसंपर्क गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ एकीकृत कर प्रभावी स्वास्थ्य समाधान विकसित करने पर सम्मेलन के विशेष फोकस को रेखांकित किया।

प्रोफेसर पुलोक मुखर्जी ने प्राकृतिक उत्पादों की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए एथ्नोफार्माकोलॉजी सोसाइटी (एसएफई), कोलकाता का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि एसएफई विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों को एथ्नोफार्माकोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए निरंतर प्रेरित कर रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि एसएफई–इंडिया अपने 18 प्रादेशिक अध्यायों, 2000 से अधिक सदस्यों, 12 वर्षों के अनुभव तथा 50 से अधिक वैश्विक प्रसार कार्यक्रमों के माध्यम से इस क्षेत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से पारंपरिक ज्ञान को सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक वैश्विक स्वास्थ्य समाधान में परिवर्तित किया जा सकता है, साथ ही स्थानीय ज्ञान के वैश्वीकरण एवं वैश्विक तकनीकों के स्थानीयकरण की दिशा में कार्य किया जा सकता है।

डॉ. सुमित श्रीवास्तव, प्राचार्य, श्री धन्वंतरी आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, चंडीगढ़ ने "प्रयोगशाला से रोगी तक" दृष्टिकोण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि चिकित्सकों तथा नाइपर जैसे अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग से अनुसंधान को प्रभावी रूप से नैदानिक व्यवहार में रूपांतरित किया जा सकता है।

कार्यक्रम का समापन डॉ. भुवन मिश्रा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सामूहिक विवाह के जरिए भाविप "ईस्ट 1" शाखा ने किए 9 निर्धन कन्याओं के हाथ पीले

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ शहर में बुधवार को नौ जोड़ों ने एक-दूजे का हाथ थामा और अग्नि के सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ रहने का वचन लिया। वहीं शहरवासियों ने बाराती बनकर जोड़ों को आशीष दिया। सामूहिक विवाह का आयोजन सेक्टर-18 के कम्युनिटी सेंटर में भारतीय विकास परिषद ईस्ट 1 के द्वारा कराया गया था।भाजपा के हिमाचल के सह प्रभारी और चंडीगढ़ भाजपा इकाई के पूर्व प्रधान संजय टंडन समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए और नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि भाविप ईस्ट 1 प्रेरणादायक काम कर रही है। प्रोग्राम की प्रधानगी नीलम गुप्ता ने की। आशीर्वाद देने के लिए भूषण ठाकुर भी पहुंचें। भारत विकास परिषद के द्वारा शादी में वैवाहिक जोड़े को घर के सामान सहित रसोई का सामान, अलमारी, सिलाई मशीन इत्यादि बजी भेंट स्वरूप दिए गए।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि बहुत से गरीब परिवार की लड़कियों की शादी पैसों के कारण धूमधाम से नहीं हो पाती है। ऐसी ही कन्याओं की शादी का बीड़ा भारत विकास परिषद उठाता है और उनके सुखी भविष्य जीवन की मंगल कामना के साथ उनकी शादियां करवाता है। इस अवसर पर भाविप की प्रधान नीलम गुप्ता, सेक्रेटरी संजय सिंगला, खजांची प्रोमिला ग्रोवर, सुमिता कोहली, मनमोहन जॉली और अमिता मित्तल सहित सुमन गुप्ता, रितु अग्रवाल व अन्य सदस्यों ने अपनी अहम भूमिका निभाई। बारात में सैंकड़ों की संख्या में कई गणमाण्य लोगों समेत शहरवासी शामिल हुए।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज से राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर ने चंडीगढ़ में की मुलाकात

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज से आज राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर ने चंडीगढ़ में उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान श्री विज ने रांची में हीरो हॉकी इंडिया लीग चौंपियंस एसजी पाइपर्स की कप्तान और चौंपियनशिप की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ओलंपियन नवनीत कौर पर गौरान्वित होते हुए अपना आशीर्वाद दिया।

श्री विज ने कहा कि हरियाणा के गौरव ओलंपियन नवनीत कौर ने हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा हैं कि वह आने वाले टूर्नामेंट्स में भी देश का नाम रोशन करती रहेंगी। श्री विज ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान नवनीत कौर ने एसजी पाइपर्स की कप्तानी करते हुए अपनी टीम को फाइनल में विजयी नेतृत्व प्रदान किया। टीम ने रांची में आयोजित चौंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता, जबकि नवनीत कौर को न केवल कप्तान के रूप में सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें ''चौंपियनशिप की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी'' का खिताब भी प्रदान किया गया।

श्री कृष्ण कृपा परिवार पंचकुला ट्रस्ट द्वारा मकर संक्रांति के शुभ पर्व पर पंचकुला अग्रसेन चौक पर लगाया गया चाय ब्रेड पकौड़े हलुआ का विशाल भंडारा एवं वितरण किए गए कंबल और गर्म कपड़े

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। भाजपा हरियाणा प्रदेश के संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा जी ने जिला अध्यक्ष अजय मित्तल जी के संग की कार्यक्रम मे पहुंचे, वहां उपस्थित ट्रस्ट के अध्यक्ष परविंदर ढींगरा जी, महासचिव धर्मपाल सिंगला जी, एवं दिनेश गुप्ता जी के द्वारा संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा जी को ट्रस्ट मे की जा रही धार्मिक आयोजन एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी गई कि ट्रस्ट आज इस विशाल भंडारे मे लगभग 2000 हजार व्यक्तियों को चाय ब्रेड पकौड़े एवं हलुआ वितरण किया गया है और लगभग 200 जरूरतमंद व्यक्तियों मे कंबल एवं गर्म कपड़े वितरण किए गए। जिला अध्यक्ष अजय मित्तल जी द्वारा जानकारी मे बताया गया कि परमपूज्य महामंडलेश्वर गीता मनीषी गुरुदेव स्वामी ज्ञानानंद महाराज जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से ट्रस्ट द्वारा हर सप्ताह विशाल भंडारे, हर माह संकीर्तन, सर्दी मे कंबल एवं गर्म कपड़े वितरण, गर्मी मे ठंडाई की विशाल छबील, एवं अन्य प्रकार की सामाजिक सेवाएं ट्रस्ट द्वारा की जा रही है। जिसकी संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा जी के द्वारा ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों की बहुत ही प्रशंसा एवं सराहना की गई।

इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन शाम लाल बंसल जी, ट्रस्टी दीपक लूथरा, वृषभान गर्ग, वनीत जैन, परवीन अग्रवाल, सुशील बिंदल, रिम्पी गर्ग, अभिषेक मित्तल, प्रसिद्ध समाजसेवी बाऊ बृज लाल, कैलाश मित्तल,अमित जिंदल, जगमोहन गर्ग, प्रदीप गोयल,तेजपाल गुप्ता, प्रदीप गर्ग,कश्मीरी लाल गुप्ता,मदन लाल बंसल, कुसुम गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता उमेश सूद,सतीश जिंदल, विजय गर्ग, एडवोकेट संजय कुमार जैन, जेनिस मित्तल,पवन मित्तल,दिनेश बंसल,रमन सिंगला, नरेश मित्तल (सांवरा स्वीट्स),अनिल सिंगला, संदीप जिंदल, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, कायन शर्मा,मनोज गर्ग, सतीश जिंदल, अजय गर्ग, विक्की जिंदल, सुरेश अग्रवाल, अशोक सिंगला, हरबंश सिंगला, जयराजा गर्ग, बलवंत गर्ग, मुकेश गर्ग, अनिल गुप्ता, सनी गुप्ता,एमपी अरोड़ा, ओपी पाहवा, साहिल गोयल, विनय कालरा,अशोक कुमार, कृष्ण गोपाल मल्होत्रा,आशु गर्ग,ट्रस्ट की महिला अध्यक्ष रूपाली जैन, भाजपा नेत्री रंजीता मेहता,पार्षद सोनिया सूद,सुनीता गोयल, मंजु गुप्ता, सीमा सिंगला, पल्लवी बिंदल,रितु गुप्ता, पूजा गुप्ता, एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।